लखनऊ

बुधवार 2 जुलाई 2025

वर्ष : 10 | अंक: 345

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

अपेक्षा ही मनोव्यथा का मूल है। - विलियम शेक्सपियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

धर्म की आड़ में पैसा लेने वाले कथावाचक और मौलवी से दूरी बनाएं : शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी

बरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा रविवार को कथावाचकों पर दिए गए बयान पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि धर्म की आड़ में पैसा लेने वाले कथावाचक और मौलवी से समाज के लोग दूरी बनाए। शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने मंगलवार को कहा कि अखिलेश यादव ने कथावाचकों के बारे में एक बयान दिया और उसमें एक कथावाचक का नाम लिया। उनका यह बयान पूरी तरह सच है। मैं सामान्य तौर पर अखिलेश यादव का समर्थन नहीं करता, क्योंकि वह हमेशा सच नहीं बोलते। लेकिन, इस बार उन्होंने सच बोला है, इसलिए मैं इस बयान का समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा कि चाहे हिंदू कथावाचक हों, मुस्लिम जलसों में भाषण देने वाले मौलवी हों, या फिर शायर हों, ये तीनों तरह के लोग पेशेवर (प्रोफेशनल) हैं। ये बिना पैसे तय किए किसी कार्यक्रम में नहीं जाते। इन लोगों ने अपनी निजी सुरक्षा रखी है, जो उनका पैसा तय करता है। इसके बाद ही उन्हें कार्यक्रम की तारीख मिलती है। ये पहले पैसे लेते हैं। बरेलवी ने कहा कि ये लोग धर्म के नाम पर पैसे वसूल रहे हैं और अपनी कमाई के लिए काम कर रहे हैं। इन्होंने धर्म का लेबल लगाकर पेशेवर तरीके से कमाई का धंधा शुरू किया है। ये आम लोगों को और समाज को धोखा दे रहे हैं। 95 प्रतिशत लोग इसी तरह का काम करते हैं। मौलाना ने कहा कि ये लोग धर्म के नाम पर दुनियादारी कर रहे हैं, अपने चेहरे और लिबास पर धर्म का टाइटल लगा रखा है, और इसकी आड़ में न जाने कौन–कौन से दुनियादारी दारी के काम अंजाम दे रहे हैं। इनका दावा खोखला और समाज को भ्रमित करने वाला है। रजवी ने कहा कि पांच फीसदी अच्छे लोग भी हैं जो कि बिना पैसे के कार्यक्रमों में जाते हैं।

मराठी नहीं आती तो खाओ थप्पड़! मुंबई में मनसे कार्यकर्ताओं की घिनौनी करतूत

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं का गुंडागर्दी का एक और मामला सामने आया है। मुंबई के मीरा रोड इलाके में मराठी भाषा न बोलने पर एक फास्ट फूड रेस्टोरेंट के कर्मचारी के साथ मारपीट की गई है। पीड़ित कर्मचारी को कई थप्पड़ मारे गए और अपशब्द कहे गए। यह घटना सोमवार रात मीरा रोड स्थित बालाजी होटल में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ रूहस कार्यकर्ता होटल में गए और वहां काम करने वाले एक कर्मचारी से मराठी में बात करने को कहा। जब कर्मचारी ने अपनी असमर्थता जताई, तो कार्यकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में इसकी कड़ी निंदा हो रही है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (क्चञ्ज) के विधायक सचिन अहीर ने कहा कि मराठी के मुद्दे पर मारपीट करना गलत है, लेकिन अगर कोई जानबूझकर मराठी बोलने से इनकार करता है तो वह भी अनुचित है। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ह्रष्टक्क) ने भी इस घटना को गलत बताया है।

डिजिटल इंडिया के 10 वर्ष, पीएम मोदी ने कहा- ये सशक्तीकरण के नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 'डिजिटल इंडिया' के 10 वर्ष पूरे होने के साथ ही अगला दशक और भी अधिक परिवर्तनकारी होगा, क्योंकि देश 'डिजिटल शासन' से 'ग्लोबल डिजिटल लीडरशिप' की ओर बढ़ेगा। जहां भारत, इंडिया-फर्स्ट से इंडिया-फॉर-द-वर्ल्ड की ओर रुख करेगा।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि हम डिजिटल इंडिया के 10 वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, दस वर्ष पहले, डिजिटल इंडिया की शुरुआत हमारे देश को डिजिटल रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से उन्नत समाज में बदलने की पहल के रूप में हुई थी। पीएम मोदी के अनुसार, 'डिजिटल इंडिया' केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रह गया है, यह लोगों का आंदोलन बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में कहा, यह 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण और भारत को दुनिया के लिए एक विश्वसनीय इनोवेशन पार्टनर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। सभी इनोवेटर्स, उद्यमियों और सपने देखने वालों के लिए दुनिया अगली डिजिटल सफलता के लिए भारत की ओर देख रही है। पीएम मोदी ने कहा कि जहां दशकों तक भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर संदेह किया जाता रहा, वहीं हमने इस दृष्टिकोण को बदल दिया और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर भरोसा किया।

उन्होंने कहा, जबकि दशकों तक यह सोचा जाता रहा कि टेक्नोलॉजी का उपयोग संपन्न और वंचितों के बीच की खाई को गहरा करेगा, हमने इस मानसिकता को बदला और संपन्न और वंचितों के बीच की खाई को खत्म करने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग किया। जब इरादा सही हो, तो इनोवेशन कम सशक्त लोगों को सशक्त बनाता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो टेक्नोलॉजी हाशिये पर रहने वालों के जीवन में बदलाव लाती है।

इस विश्वास ने डिजिटल इंडिया की नींव रखी, जो कि पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और सभी के लिए अवसर प्रदान करने का मिशन है। 2014 में भारत में करीब 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे, जो कि बढ़कर अब 97 करोड़ से ज्यादा हो गए हैं। 42 लाख किलोमीटर से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर केबल अब सबसे दूरदराज के गांवों को भी जोड़ती है। पीएम मोदी ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में लिखा, भारत में 5जी की शुरुआत दुनिया में सबसे तेज गति से हुई है। केवल दो वर्ष में 4.81 लाख बेस स्टेशन स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों और गलवान, सियाचिन और लद्दाख सहित अग्रिम सैन्य चौकियों तक पहुंच गया है।

उन्होंने आगे कहा, डिजिटल आधार इंडिया स्टैक ने यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म को सक्षम किया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से ज्यादा लेनदेन को संभालता है। सभी रियल टाइम के डिजिटल लेनदेन में से लगभग आधे भारत में होते हैं।

पीएम मोदी ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से, 44 लाख करोड़ रुपए से अधिक सीधे नागरिकों को हस्तांतरित किए गए हैं, जिससे बिचौलियों को हटाने में मदद मिली और 3.48 लाख करोड़ रुपए की लीकेज की बचत हुई है।

स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों का मानचित्रण किया है, जिससे भूमि से संबंधित अनिश्चितता के वर्षों का अंत हुआ है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को पहले से कहीं ज्यादा सशक्त बना रही है। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है, जो खरीदारों और विक्रेताओं के विशाल बाजार के साथ सहज कनेक्शन प्रदान कर नए अवसरों को पेश करता है।

पीएम मोदी ने कहा, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस आम आदमी को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने में सक्षम बनाता है। यह न केवल आम आदमी को एक विशाल बाजार के साथ सशक्त बनाता है बल्कि सरकार के पैसे भी बचाता है। पीएम मोदी ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर कहा कि आधार, कोविन, डिजिलॉकर और फास्टैग से लेकर पीएम-वाणी और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन तक भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को अब वैश्विक स्तर अपनाया जा रहा है।

कोविन ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम बनाया, 220 करोड़ क्यूआर-वेरिफाइड सर्टिफिकेट जारी किए। 54 करोड़ यूजर्स के साथ डिजिलॉकर 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध रूप से होस्ट करता है। प्रधानमंत्री ने आगे बताया, हमारे जी20 प्रेसीडेंसी के माध्यम से, भारत ने ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी और 25 मिलियन डॉलर का सोशल इम्पैक्ट फंड लॉन्च किया, जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देशों को समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपनाने में मदद मिली।

उन्होंने आगे कहा, भारत अब 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप के साथ दुनिया के शीर्ष तीन स्टार्टअप इकोसिस्टम में शुमार है। लेकिन यह स्टार्टअप आंदोलन से कहीं अधिक है; यह एक तकनीकी पुनर्जागरण है। जब बात युवाओं में एआई स्किल पेनिट्रेशन और एआई प्रतिभा की आती है, तो भारत बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। पीएम मोदी ने लिखा, 1.2 बिलियन डॉलर के इंडिया एआई मिशन के माध्यम से भारत ने 1 डॉलर/जीपीयू घंटे से भी कम कीमत पर वैश्विक स्तर पर बेजोड़ कीमतों पर 34,000 जीपीयू तक पहुंच को सक्षम किया है।

डिजिटल इंडिया महज एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, जन आंदोलन बन गया है : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली ,01 जुलाई (आरएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि डिजिटल इंडिया महज एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रह गया है, बल्कि यह एक जन आंदोलन बन गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि 'डिजिटल इंडिया' 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण और भारत को दुनिया के लिए एक विश्वसनीय इनोवेशन पार्टनर बनाने से जुड़ा है।

वित्त मंत्री ने 'डिजिटल इंडिया' मिशन के 10 सफल वर्ष पूरे होने पर लिखा, देश के दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की पहुंच बनाने से लेकर सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने तक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल ने वास्तव में पूरे देश में डिजिटल डिवाइड को खत्म कर दिया है। उन्होंने एक दूसरी पोस्ट में लिखा, स्कैन, पे, डन। भारत की यूपीआई क्रांति दुनिया के लगभग आधे रियल टाइम के डिजिटल लेनदेन को संचालित करती है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, यूपीआई, डीबीटी, जीईएम, ओएनडीसी, स्वामित्व और कई अन्य पहलों के साथ, देश डिजिटल गवर्नेंस से ग्लोबल डिजिटल लीडरशिप की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लिखते हैं, जब इरादा सही हो, तो इनोवेशन कम सशक्त लोगों को सशक्त बनाता है। पीएम मोदी ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में कहा कि 'डिजिटल इंडिया' 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण और भारत को दुनिया के लिए एक विश्वसनीय इनोवेशन पार्टनर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, अपने कर्मचारियों के लिए लागू किया आरक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला लिया है. उसने पहली बार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अपने कर्मचारियों के अपॉइंटमें और प्रमोशन के लिए औपचारिक रिजर्वेशन पॉलिसी शुरू की है. इस संबंध में 24 जून को एक सर्कुलर जारी किया गया. इस सर्कुलर के जरिए शीर्ष अदालत के सभी कर्मचारियों को फैसले के बारे में बताया गया है. सर्कुलर में कहा गया, 'सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों के मुताबिक, सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि मॉडल आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर को सुपनेट (आंतरिक ईमेल नेटवर्क) पर अपलोड कर दिया गया है और इसे 23 जून, 2025 से प्रभावी किया गया है।' आगे कहा गया, 'यह सूचित किया जाता है कि अगर रोस्टर या रजिस्टर में गलतियों के बारे में किसी भी कर्मचारी की ओर से कोई आपत्ति उठाई जाती है तो इस मामले में रजिस्ट्रार (भर्ती) को सूचित कर सकते हैं।'

रेल किराया, पैन कार्ड...1 जुलाई से भारत में बड़े बदलाव

सर्कुलर और वर्तमान में लागू मॉडल रोस्टर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारियों को प्रमोशन में 15 प्रतिशत कोटा और एसटी कर्मचारियों को 7.5 प्रतिशत कोटा मिलेगा। पॉलिसी के मुताबिक, कोटा का फायदा रजिस्ट्रार, सीनियर पर्सनल असिस्टेंट, सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट और चैंबर अटेंडेंट्स को मिलेगा। ये महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भूषण रामकृष्ण गवई के कार्यकाल में आया है, जो अनुसूचित जाति की पृष्ठभूमि से देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर पहुंचने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। यह मंजूरी उनके नेतृत्व में मिली है। इस फैसले का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि न्यायपालिका में हाशिए पर पड़े समूहों के कम प्रतिनिधित्व के लिए आलोचना की जाती है।

सीजेआई ने क्या कहा?

आंतरिक सुधार के पीछे के तर्क पर सीजेआई गवई का कहना है कि सभी सरकारी संस्थानों और कई हाई कोर्ट्स में पहले से ही एससी और एसटी के लिए आरक्षण का प्रावधान है। तो, सुप्रीम कोर्ट को अपवाद क्यों होना चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने सकारात्मक कार्रवाई पर कई ऐतिहासिक फैसले दिए हैं और एक संस्था के रूप में उसे इसे लागू करना था। हमारे कार्यों में हमारे सिद्धांत प्रतिबिंबित होने चाहिए।

हार्ट अटैक का 'हॉटस्पॉट' बना ये जिला! एक महीने में 18 मामलों के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, जांच के आदेश

हासन। कर्नाटक के हासन जिले में हाल के दिनों में हृदय आघात के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों और स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने इस गंभीर स्थिति का संज्ञान लेते हुए, बढ़ते मामलों की जांच के लिए विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने और उनसे विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है।

मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी कि हासन जिले में पिछले एक महीने के भीतर हृदय आघात के 18 मामले सामने आए हैं, जिसे स्वास्थ्य विभाग ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने पहले ही विभाग के उच्च अधिकारियों को जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च के निदेशक के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ टीम गठित कर इन बढ़ते हृदय आघात के मामलों की गहन जांच करने और जल्द से जल्द एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

गुंडू राव ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने पहले से ही हृदयाघात के मामलों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'पुनीत राजकुमार हृदय ज्योति योजना' शुरू की है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हाल के दिनों में युवाओं में हृदय आघात के बढ़ते मामलों पर गहराई से शोध करने की आवश्यकता है ताकि इसके अंतर्निहित कारणों का पता लगाया जा सके।

52 के हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, सीएम योगी और मायावती ने दी जन्मदिन की बधाई

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव मंगलवार को 52 साल के हो गए। इस 52वें जन्मदिन पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई दी है। अखिलेश यादव की तरफ से भी इसको लेकर धन्यवाद दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई!

सीएम योगी के पोस्ट के बाद अखिलेश यादव ने उन्हें धन्यवाद दिया। सपा प्रमुख ने 'एक्स' पर ही अपने जवाब में लिखा, आपकी शुभकामनाओं के लिए हार्दिक धन्यवाद। उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई देते हुए दीर्घायु की कामना की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई। उनके सुखी और दीर्घायु जीवन की भी ढेरों शुभकामनाएं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट में अखिलेश को बधाई देते हुए कहा, सपा अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद अखिलेश यादव को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। भगवान प्रभु श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण और देवों के देव महादेव की कृपा से आपका स्वास्थ्य उत्तम और आप दीर्घायु हों।

1 जुलाई 1973 को इटावा जिले के सैफई गांव में जन्मे अखिलेश यादव वर्तमान में लोकसभा में कन्नौज का प्रतिनिधित्व करते हैं। अखिलेश यादव को सियासत विरासत के तौर पर मिली। उनके पिता मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के रक्षा मंत्री रहे।

वक्फ कानून किसी धर्म के विरुद्ध नहीं, तेजस्वी यादव के बयान पर जीतन राम मांझी का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी ने मंगलवार को राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने तेजस्वी के 'महागठबंधन की सरकार बनने पर वक्फ कानून को कूड़ेदान में डाल देंगे' वाले बयान पर कहा कि ये कानून किसी धर्म के विरुद्ध नहीं हैं।

वक्फ कानून पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, तेजस्वी यादव और अन्य विपक्षी नेता इसलिए वक्फ बिल का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि यह एक खास धर्म को निशाना बनाता है। मैं बताना चाहता हूं कि ये कानून किसी धर्म और व्यक्ति के विरुद्ध नहीं हैं। यह पूरी तरह से मैनेजमेंट का मामला है। आज तक कुछ लोगों ने वक्फ संपत्तियों पर कब्जा कर रखा है, जिससे गरीबों तक इसका लाभ नहीं पहुंच पा रहा है। जो लोग इस कानून का विरोध कर रहे हैं, वे सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बिहार में तेजस्वी यादव के पिता को 15 साल का समय जनता ने दिया था, लेकिन उन्होंने बिहार में जंगलराज बनाकर रख दिया। वे भी अपने पिता के बेटे हैं, उन्हें कोई अनुभव नहीं है। क्या चिराग पासवान सीट बंटवारे से पहले एनडीए पर दबाव बना रहे हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, आपने 2020 में भी यही देखा। चिराग पासवान ने 2020 में जो किया, उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा।

निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस को घेरा, सीआईए-केजीबी फंडिंग मामले में जांच के लिए न्यायिक आयोग की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला करते हुए दावा किया है कि पार्टी को कई दशकों तक अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए और सोवियत संघ की केजीबी से फंडिंग मिलती रही। दुबे ने इस मामले की न्यायिक जांच आयोग से जांच कराने की मांग की और इसे भारतीय लोकतंत्र और संप्रभुता पर एक गंभीर हमला करार दिया।निशिकांत दुबे ने कहा 1947 से लेकर 2014 के बीच, कांग्रेस ने अपने शासनकाल में विदेशी ताकतों के इशारों पर काम किया। केजीबी और सीआईए जैसे विदेशी खुफिया संगठनों से पार्टी के शीर्ष नेता फंडिंग लेते रहे और उन्हीं के अनुसार देश की नीतियां बनती रहीं। केवल अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार (1998-2004) को छोड़ दें तो यह देश हमेशा विदेशी फंडिंग और एजेंडे पर चला। अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए दुबे ने बताया कि उन्होंने हाल ही में दो 'एक्स' पोस्ट किए थे जिनमें कांग्रेस और उसके नेताओं की कथित विदेशी फंडिंग से जुड़ी जानकारी साझा की गई।

अपने एक्स पोस्ट में दुबे ने दावा किया कि 'आयरन लेडी' इंदिरा गांधी ने शिमला समझौते के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को पत्र लिखकर अमेरिका से संबंध सुधारने का आग्रह किया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि निक्सन और उनके सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर के बीच एक फोन वार्तालाप में करीब 300 करोड़ रुपए की सहायता की चर्चा हुई थी।

उन्होंने आगे कहा कि 10 मई 1979 को राज्यसभा में हुई बहस में तत्कालीन गृह मंत्री चंपत पटेल ने अमेरिकी राजदूत डेनियल मोयनिहान की किताब का हवाला देते हुए स्वीकार किया था कि अमेरिका ने कांग्रेस को दो बार चंदा दिया। एक बार केरल में कम्युनिस्ट सरकार को हटाने के लिए और दूसरी बार लोकसभा चुनाव लड़ाने के लिए। दुबे ने कहा कि यह उस समय के फेरा (अब पीएमएलए) कानून का स्पष्ट उल्लंघन था।

इस पूरे नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण कड़ी रॉ अधिकारी रविंद्र सिंह को बताया गया, जो दुबे के अनुसार सीआईए के भी एजेंट थे। दुबे ने आरोप लगाया कि 2004 में जब मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, तो उसी वर्ष रविंद्र सिंह को अमेरिका भगा दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि 2005 से 2014 तक भारत सरकार ने उसे वापस लाने के लिए कोई प्रयास क्यों नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि रविंद्र सिंह की सीआईए और अमेरिकी राजदूत मोयनिहान से बातचीत के सबूत मौजूद हैं, जिससे यह प्रतीत होता है कि कांग्रेस को फंडिंग इसी चैनल से मिलती रही।

भाजपा सांसद ने कहा कि उन्होंने जब नरेंद्र मोदी की सरकार 2014 में बनी, तब रविंद्र सिंह की अमेरिका में मौजूदगी आखिरी बार दर्ज हुई। लेकिन 2015-16 में उसकी मौत हो गई, जिसे मैं एक साजिश मानता हूं। उन्हें डर था कि अगर मोदी सरकार ने रविंद्र सिंह को भारत बुलाया, तो पूरी सच्चाई उजागर हो जाएगी।

दुबे ने यह भी दावा किया कि सोवियत संघ ने भारत में 16 हजार से ज्यादा खबरें अपने एजेंडे के अनुसार प्रकाशित करवाईं, मीडिया संस्थानों को खरीदा गया और पत्रकारों, नौकरशाहों व व्यापारिक संगठनों को भी फंडिंग दी गई। यहां तक कि महिला प्रेस क्लब का निर्माण भी सोवियत एजेंडे का हिस्सा था। यहां के नौकरशाहों के बच्चे विदेशों में पढ़ते थे और खुद अधिकारी सरकारी खर्चे पर घूमने जाते थे।

अपनी बातचीत में दुबे ने एक और उदाहरण दिया कि सुभद्रा जोशी, जो कांग्रेस की नेता थीं, उन्हें जर्मन फंडिंग के तहत 5 लाख रुपए दिए गए थे। जब वे चुनाव हार गईं तो उन्हें इंडो जर्मन फोरम का अध्यक्ष बना दिया गया।

वहीं, कांग्रेस की ओर से भाजपा पर लगाए जा रहे आरोपों के जवाब में दुबे ने कहा कि हमें सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। सबको पता है कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2027 तक तीसरे स्थान पर होगा। लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस ने कैसे देश को विदेशियों के हाथों गिरवी रखा और उसके बदले में फंडिंग ली?

बहुत अच्छे दोस्त थे कांस्टेबल अजय और शिक्षक मोहित, इस बात पर हुआ विवाद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बागपत। यूपी के बागपत के सुन्हेड़ा गांव के हेड कांस्टेबल अजय पंवार का कातिल शिक्षक मोहित सोमवार रात को पुलिस के साथ मुठभेड़ में दोनों पैरों में गोली लगने पर घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उसके पास से हत्या में प्रयुक्त तमंचा और कारतूस बरामद कर लिए गए हैं।

सहारनपुर में साइबर सेल में तैनात कांस्टेबल अजय पंवार की उसके ही गांव के सहारनपुर में तैनात प्राइमरी स्कूल के शिक्षक मोहित ने रविवार रात को गोली मारकर हत्या कर दी थी। क्रिकेट मैच के दौरान हुए विवाद के कारण अजय की हत्या की गई थी। वारदात को अंजाम देकर

शिक्षक मोहित फरार हो गया था।

इसके पीछे पुलिस की चार टीमें लगी हुई थी। एसपी सूरज कुमार राय ने बताया कि पुलिस को सोमवार रात हत्या के आरोपी मोहित के सुन्हैड़ा गांव के जंगल में होने की सूचना मिली। जहां पुलिस पहुंची तो मोहित ने फायरिंग कर दी।

वहां पुलिस के साथ मुठभेड़ में हत्यारोपी मोहित के दोनों पैरों में गोली लग गई और वह घायल हो गया। पुलिस ने उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद करके उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया कि वह हत्या करने के बाद वह गांव के आसपास ही छिपा हुआ था।

हत्या होते ही व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर निकल गए सभी दोस्त

सुन्हेड़ा गांव के 20-25 युवकों ने एक ग्रुप बना रखा था, जिसमें क्रिकेट मैच से लेकर अन्य जानकारी शेयर की जाती थी। पिछले कई साल से चल रहे व्हाट्सएप ग्रुप में धमकी देने के बाद अजय की हत्या होते ही उनके दोस्त घबरा गए। इसके बाद चंद मिनटों में सभी ग्रुप छोड़कर बाहर निकल गए। उधर, एक युवक ने पुलिस को ग्रुप में हुई गाली-गलौज के स्क्रीन शॉट भी पुलिस को सौंप दिए।

व्हाट्सएप ग्रुप में अजय को दी थी गोली मारने की धमकी

बागपत के सुन्हेड़ा गांव में हेड कांस्टेबल अजय पंवार की हत्या से पहले गांव के व्हाट्सएप ग्रुप में शिक्षक मोहित ने सीधी गोली मारने की धमकी दी थी। मगर अजय ने धमकी को नजरअंदाज कर दिया। अजय को महसूस भी नहीं हुआ कि मोहित उसे अपना दुश्मन मानने लगा और इस तरह गोली मारकर उसकी हत्या कर देगा।

उधर, पोस्टमार्टम के बाद हेड कांस्टेबल अजय का गांव में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जहां छह वर्षीय बेटे आरव ने उनको मुखाग्नि दी। सहारनपुर की साइबर सेल में तैनात हेड कांस्टेबल अजय पंवार निवासी सुन्हैड़ा 24 जून को एक माह की छुट्टी लेकर अपने नए मकान में गृह प्रवेश के लिए घर आए थे।

रविवार देर रात अजय पंवार घर के पास घूम रहे थे। तभी गांव का रहने वाला प्राइमरी स्कूल का शिक्षक मोहित वहां आया जो सहारनपुर के ननीता के प्राथमिक विद्यालय में तैनात है। अजय और मोहित के बीच कहासुनी हुई और मोहित ने तमंचा निकालकर अजय को गोली मारकर हत्या कर दी। हेड कांस्टेबल अजय की पत्नी ज्योति ने शिक्षक मोहित के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया।

परिजनों ने बताया कि अजय और मोहित काफी अच्छे दोस्त थे, जो छुट्टी आने के बाद एक साथ क्रिकेट खेलते थे। एक सप्ताह पहले गांव में क्रिकेट मैच में मोहित की टीम हार गई। इसके बाद गांव के व्हाट्सएप ग्रुप में टिप्पणी करने को लेकर उनमें गाली-गलौज हो गई।

मृतक की पत्नी ज्योति ने बताया कि गाली-गलौज होते ही मोहित ने तमंचा निकालकर अजय पर तान दिया। इस दौरान अजय ने वहां से भागकर बचने का प्रयास किया, लेकिन तभी मोहित ने गोली चला दी जो कमर में लगने के बाद सीने से बाहर निकल गई। गोली लगते ही अजय जमीन पर गिर गया।

बुजुर्गो के आशीष से 2027 में नायक बनेंगे अखिलेश यादव: अविरल

बाराबंकी। होनहार बिरवान के होत चिकने पात... की कहावत को चरितार्थ करने वाले युवा नेता व समाजसेवी अविरल कुमार सिंह अपने पिता अरविन्दर कुमार सिंह गोप के नक्शे कदम पर चलकर तमाम प्रकार के सराहनीय कार्यों को अंजाम देने का शौक रखते हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अरविन्द कुमार सिंह गोप के सुपुत्र अविरल कुमार सिंह ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 52वें जन्मदिन पर वृद्धाश्रम की माताओं और बुजुर्गों के साथ खुशियां बांटी। मंगलवार को सदर विधानसभा के ग्राम भूहेरा सफेदाबाद स्थित मातृ पितृ सदन 'वृद्धाश्रम' में अविरल सिंह ने बुजुर्गों के बीच केक काटकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर सभी बुजुर्ग माता पिता के बीच बैठकर उनको भोजन कराया और फिर स्वयं भी भोजन किया।

ग्रीष्मावकाश के बाद खुला विद्यालय, बच्चों का हुआ स्वागत

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। शिक्षाक्षेत्र बल्दीराय के कंपोजिट विद्यालय भवानी शिवपुर में ग्रीष्मावकाश के बाद विद्यालय पुनः खुलने पर अध्यापकों द्वारा सभी बच्चों का रोली टीका लगाकर और पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया।

विद्यार्थियों में एक नई जागृति एवं उत्साह देखने को मिला। एक तरफ जहां पुराने विद्यार्थी नई कक्षा में आकर खुश थे. वहीं दूसरी तरफ नये विद्यार्थी विद्यालय पहुंचकर प्रसन्नता महसूस कर रहे थे। प्रभारी प्रधानाध्यापक अशोक कुमार दुबे ने कहा कि प्रवेश उत्सव मनाने का मुख्य मकसद, गर्मी की छुट्टी के बाद विद्यालय पुनःखुलने पर बच्चों में शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ाना है। विभाग का मानना है कि गर्मी की छुट्टी के कारण विद्यालय बंद था ऐसे में विद्यालय आने की निरंतरता टूट जाती है, बच्चे विद्यालय जाने से कतराते हैं। जिसे देखते हुए विद्यालय आने के साथ पढ़ाई में रुचि बढ़ाने को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा स्वागत सप्ताह मनाने का पहल किया गया है। वहीं इसका मुख्य उद्देश्य विद्यालय में छात्रों की उपस्थित बढ़ाना भी है। बच्चों ने संचारी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक रैली निकाली और शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई और रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। लोगों को संचारी रोगों से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों से बचाव करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस दौरान पूर्व प्रधान प्रतिनिधि कृष्णराम यादव, शिक्षक शिवाकांत मिश्र, इंद्रजीत, दीपिका यादव, गुडलक सिंह, अभय प्रताप सिंह, राजदेव यादव, डी.एल.एड. प्रशिक्षु साक्षी यादव व रसोईया रेशम पाल, श्रीमती, शिवकला पाल, कलावती वर्मा सहित अधिक संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

दुर्घटना संभावित स्थलों का किया गया स्थलीय निरीक्षण

सुल्तानपुर। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से आज पीडब्ल्यूडी की अधिशासी अभियंता चित्रा वर्मा, प्रभारी निरीक्षक यातायात राम निरंजन यादव तथा टीएसआई नरेंद्र बहादुर सिंह द्वारा यातायात पुलिस बल के साथ जिले के चिन्हित हॉटस्पॉट स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कटवां मोड़, गब्दिया पुल, टेडुही मोड़, मछली मंडी, गोलाघाट महाराणा गेट, तथा केएनआई गेट जैसे प्रमुख दुर्घटना संभावित स्थलों पर पहुंचकर सड़क की स्थिति, ट्रैफिक मूवमेंट और सुरक्षा संकेतों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्थानीय स्तर पर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान यातायात विभाग द्वारा इन स्थलों पर रिफ्लेक्टिव साइनेज, स्पीड ब्रेकर और बैरिकेडिंग की जरूरत पर विशेष जोर दिया गया। अधिशासी अभियंता ने सड़क की चौड़ाई, मोड़ की दिशा और विजिबिलिटी सुधारने के लिए तत्काल कदम उठाने की बात कही।

गोली मारकर व्यापारी की हत्या... पत्नी की हालत नाजुक, हमलावरों ने घर में घुसकर वारदात को दिया अंजाम

आर्यावर्त संवाददाता

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में सोमवार की रात घर में घुसकर गोली मारकर व्यापारी की हत्या कर दी गई। पत्नी चीखी तो हमलावरों ने उसे भी गोली मार दी। पेट में गोली लगने से वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गई। चीख पुकार सुनकर लोगों की भीड़ लग गई। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से व्यापारियों में आक्रोश है।

घटना सेमरी क्षेत्र के महरानीगंज की रात 2 बजे की है। यहां गल्ला व्यापारी सुखदेव लोधी हत्या की गई है। हमलावर बगल के मकान से दूसरी मंजिल पर चढ़े। वहां से व्यापारी के घर पहुंचे और घटना को अंजाम दिया। सूचना पर एएसपी संजीव कुमार सिन्हा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। घटना से आक्रोशित व्यापारियों ने

बाजार बंद की घोषणा की है।

बताया गया कि सुखदेव सिंह, पत्नी सरोजिनी और बच्चे अयांश, आयुष और बेटी रागिनी के साथ घर की ऊपरी मंजिल में सो रहे थे। सुखदेव और सरोजिनी बरामदे में सोये थे। बच्चे कमरे में लेटे थे। बदमाश घर में दाखिल हुए और सुखदेव को पकड़ लिया। उन्हें पीटा और चाकू से वार किया। चीख पर पत्नी की नींद खुल गई। वह बचाने के लिए दौड़ी। इस पर बदमाशों ने उसे भी चाकू मारा।

गोली लगने से पत्नी गंभीर रूप से घायल

इसके बाद तमंचे से गोली मार दी। एक के बाद एक तीन गोली मारी। एक गोली सुखदेव के सीने में लगी, दूसरी गले में धंस गई। तीसरी गोली सीने और फेफड़ों के पास लगी। मौके पर ही सुखदेव की मौत हो गई। बदमाशों ने सरोजिनी पर भी फायरिंग की। गोली उसके पेट में लगने से वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। चीख पुकार सुनकर बच्चे भी जग गए। वह डर के मारे बाहर नहीं निकले। उल्टे, कमरे का दरवाजा भीतर से बंद कर लिया।

बदमाशों ने दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया। उधर, बच्चों ने अपने चाचा को फोन कर दिया। शोर सुनकर पड़ोसी भी जग गए। इसके बाद बदमाश भाग गए। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। परिजनों ने घायल सरोजिनी को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां से उन्हें एम्स के लिए रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि तीन बदमाश आए थे।

फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए

पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया हत्या के इरादे से ही बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया है। इसकी वजह क्या हो सकती है? इसकी पड़ताल का जा रही है। परिवार के लोगों का कहना है कि सुखदेव की किसी से कोई रंजिश नहीं थी। पुलिस को घटनास्थल से गोली के खोखे बरामद हुए हैं। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

मौके पर पहुंचे और जांच की। एसपी डॉ. यशवीर सिंह और एएसपी संजीव कुमार सिन्हा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने कहा कि घटना का खुलासा करने के लिए टीम लगा दी गई है। जल्द खुलासा किया जाएगा। एसपी के समझाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

टेकऑफ से ठीक पहले विमान में हुआ कुछ ऐसा... मच गया हड़कंप, रद्द करनी पड़ी उड़ान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। सोमवार सुबह प्रयागराज से बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई-6036 में पेट्रोल की गंध के कारण खलबली मच गई। टेकऑफ से ठीक पहले उड़ान रद्द कर दी गई। फ्लाइट में एनएलएसआईयू बेंगलुरु के छात्रों सहित कई यात्री सवार थे। हाल ही में अहमदाबाद में हुई एक घटना के बाद एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से बरती गई सुरक्षा सतर्कता के चलते कोई जोखिम न लेते हुए उड़ान रद्द की गई। फ्लाइट रद्द होने की सूचना मिलते ही चिंतित अभिभावक प्रयागराज हवाई अड्डे पर पहुंच गए।

एयरपोर्ट से फ्लाइट सुबह 11.30 बजे उड़ान भरने वाली थी। बेंगलुरु से प्रयागराज आने वाली यह फ्लाइट सुबह 11 बजे अपने समय पर लैंड हुई थी। आधा घंटे बाद यात्रियों को लेकर बेंगलुरु के लिए उड़ान भरनी थी। यात्री समय पर विमान में सवार हो चुके थे। यात्री सीएल वर्मा ने बताया, विमान में बैठने के बाद हमें लंबा इंतजार करना पड़ा। अचानक पेट्रोल की तेज गंध विमान के अंदर महसूस हुई। पायलट ने घोषणा की कि सुरक्षा जांच चल रही है और स्थिति नियंत्रण में है।

वर्मा के अनुसार, कुछ देर बाद 4-5 कर्मचारी कॉकपिट में पहुंचे और पायलट से चर्चा की। इसके बाद यात्रियों को सामान सहित विमान से उतरने के लिए कहा गया। एयरपोर्ट निदेशक मुकेश उपाध्याय ने बताया कि हाल ही में अहमदाबाद में हुई घटना के बाद सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरती जा रही है। विमान में तकनीकी खराबी और ईंधन टैंक में बदलाव के दौरान गंध की शिकायत के बाद कोई जोखिम न लेते हुए उड़ान रद्द की गई। इंडिगो की तकनीकी टीम ने तुरंत जांच शुरू की। इंडिगो ने यात्रियों को वैकल्पिक फ्लाइट या रिफंड का विकल्प दिया। दिल्ली, मुंबई, वाराणसी और लखनऊ से वैकल्पिक फ्लाइट उपलब्ध थीं, जो पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर बुक की गईं।

एनएलएसआईयू के छात्रों सहित कई यात्रियों को लखनऊ की फ्लाइट आवंटित की गई और उन्हें कैब के जरिए लखनऊ हवाई अड्डे भेजा गया। कुछ यात्रियों ने अगले दिन की उड़ान में समायोजन कराया, जिन्हें होटल की सुविधा दी गई। घटना से उन यात्रियों को खासी परेशानी हुई, जिन्हें बेंगलुरु में जरूरी मीटिंग, मेडिकल या इंटरव्यू के लिए जाना था। हालांकि, एयरलाइन ने स्थिति को संभालते हुए यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा।

वर्मा के अनुसार, कुछ देर बाद 4-5 कर्मचारी कॉकपिट में पहुंचे और पायलट से चर्चा की। इसके बाद यात्रियों को सामान सहित विमान से उतरने के लिए कहा गया। एयरपोर्ट निदेशक मुकेश उपाध्याय ने बताया कि हाल ही में अहमदाबाद में हुई घटना के बाद सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरती जा रही है। विमान में तकनीकी खराबी और ईंधन टैंक में बदलाव के दौरान गंध की शिकायत के बाद कोई जोखिम न लेते हुए उड़ान रद्द की गई। इंडिगो की तकनीकी टीम ने तुरंत जांच शुरू की। इंडिगो ने यात्रियों को वैकल्पिक फ्लाइट या रिफंड का विकल्प दिया। दिल्ली, मुंबई, वाराणसी और लखनऊ से वैकल्पिक फ्लाइट उपलब्ध थीं, जो पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर बुक की गईं। एनएलएसआईयू के छात्रों सहित कई यात्रियों को लखनऊ की फ्लाइट आवंटित की गई और उन्हें कैब के जरिए लखनऊ हवाई अड्डे भेजा गया। कुछ यात्रियों ने अगले दिन की उड़ान में समायोजन कराया, जिन्हें होटल की सुविधा दी गई। घटना से उन यात्रियों को खासी परेशानी हुई, जिन्हें बेंगलुरु में जरूरी मीटिंग, मेडिकल या इंटरव्यू के लिए जाना था। हालांकि, एयरलाइन ने स्थिति को संभालते हुए यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा।

इस्लाम के शहीदों का दस दिवसीय समागम का चौथा दिन जामिया इस्लामिया

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। अंजुमन खुद्दाम ए सहाबा व मदरसा जामिया इस्लामिया खैराबाद के वैनर तले मदरसा जामिया इस्लामिया खैराबाद के विशाल प्रांगण में सोमवार को जलसा शुहादा-ए-इस्लाम का चौथी मुहर्रम को आयोजित किया गया। तीसरी मुहर्रम को मुफ्ती राशिद सहारनपुर ने पुरजोश अंदाज में तकरीर की थी। चौथी मुहर्रम को जिसमें वक्ताओं ने हजरत उमर और हजरत उस्मान गनी (अल्लाह उनसे प्रसन्न हो) के जीवन, उनकी उपलब्धियों और उनकी गरिमा और स्थिति के बारे में विस्तार से बात की। इसलिए मौलाना मुहम्मद मुराद साहब कासमी ने हजरत उमर की खूबियों और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इस्लाम के शहीदों के जलसे की अहमियत पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि ये जलसे सहाबा की जिंदगी के बारे में जानकारी देते हैं और उनके बारे में फैली गलतफहमियों का खंडन करते हैं और उनके लिए मोहब्बत की प्रेरणा भी देते हैं। मौलाना मुराद ने यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर के बारे में कहा कि यह शख्सियत आज हमारे बीच है और हमें उनकी कद्र करने की जरूरत है। हजरत ने इस्लाम के शहीदों के जलसे के रूप में, स्कूलों के नेटवर्क के रूप में और दीन और इस्लाम के प्रचार-प्रसार के रूप में बहुत बड़ी जिम्मेदारी संभाली है। अल्लाह तआला हजरत के ज्ञान और कला के साये को हमेशा सुरक्षित रखे। मुख्य अतिथि मौलाना अब्दुल्लाह अमीनुल हक बिन मौलाना मतीनुल हक साहिब उसामा साहिब नूरुल्लाह मरकदा ने अपने बयान में पैगम्बर (स.) के दामाद हजरत उस्मान गनी (आरए) जिन्हें धुल-नुरैयन के नाम से जाना जाता है।

रूहेलखंड विश्वविद्यालय ने बढ़ाई PG में दाखिले की तारीख, अब इस डेट तक फॉर्म भर सकेंगे छात्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक की मेरिट जारी कर प्रवेश कराने की तिथि घोषित कर दी गई है। संबद्ध महाविद्यालय छात्र-छात्राओं 15 जुलाई तक प्रवेश दिलाएंगे। वहीं, परास्नातक में दाखिले की तिथि को विस्तारित कर 10 जुलाई कर दिया गया है। इसके लिए विद्यार्थी विवि पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कुलसचिव के अनुसार स्नातक में प्रवेश के लिए विवि पोर्टल पर 20 मई से आनलाइन आवेदन किए जा रहे हैं। इसे विस्तारित करते हुए 150 रुपये शुल्क के साथ 30 जून अंतिम तिथि निर्धारित की गई।

स्नातक में 20 मई और स्नातकोत्तर में 12 जून से भरे जा रहे हैं प्रवेश पंजीकरण के फॉर्म

अब विवि परिसर व संबद्ध महाविद्यालयों में ऑनलाइन मेरिट तैयार कर प्रदर्शित करनी होगी। इसके बाद 15 जुलाई तक दाखिले किए जाएंगे। वहीं, परास्नातक में प्रवेश के लिए 12 जून से आनलाइन आवेदन किए जा रहे हैं। इसकी अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई थी, जिसे छात्रहित में बढ़ाकर 10 जुलाई कर दिया गया है।

छह जुलाई तक होंगी प्रयोगात्मक परीक्षाएं

विवि की ओर से स्नातक और परास्नातक की परीक्षाएं कराने की तिथि बढ़ा दी गई है। स्नातक स्तर पर (बीए, बीएस-सी, बीकाम-द्वितीय, चतुर्थ व षष्ठम सेमेस्टर, बीएससी-गृह विज्ञान द्वितीय-चतुर्थ सेमेस्टर और बीबीए-रिटेल, हेल्थ केयर-द्वितीय सेमेस्टर) आदि पाठ्यक्रमों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं पूर्ण कराने की तिथि छह जुलाई तक विस्तारित की गई है। इसके बाद अंकों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वहीं, परास्नातक स्तर पर (एमए, एमएससी व एमकाम), (एमएससी- गृहविज्ञान, एमएसडब्ल्यू, बीलिब व एमलिब को छोड़कर) सम सेमेस्टर और विधि (त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय व एलएलएम पाठ्यकम) की प्रयोगात्मक परीक्षाएं पूर्ण कराने की तिथि भी छह जुलाई तक विस्तारित कर दी गई है।

स्नातकोत्तर के लिए आए 504 आवेदन

वहीं, परास्नातक स्तर पर (एमए, एमएससी व एमकाम), (एमएससी- गृहविज्ञान, एमएसडब्ल्यू, बीलिब व एमलिब को छोड़कर) सम सेमेस्टर और विधि (त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय व एलएलएम पाठ्यकम) की प्रयोगात्मक परीक्षाएं पूर्ण कराने की तिथि भी छह जुलाई तक विस्तारित कर दी गई है।

स्नातकोत्तर के लिए आए 504 आवेदन

बरेली कॉलेज में परास्नातक में प्रवेश की दौड़ शुरू हो गई है। इसमें सबसे अधिक आवेदन एमकाम (70), एमए-इतिहास (53), एमए- अंग्रेजी (50), एमएससी-जूलाजी (48), एमएससी-केमिस्ट्री (44), एमए-राजनीति विज्ञान (42) आए हैं। वहीं, शेष पाठ्यक्रमों में आवेदन का आंकड़ा 40 से कम है। गणित, उर्दू और सांख्यिकी में प्रवेश के लिए प्रत्येक में मात्र एक छात्र ने फार्म भरा है। इसके अतिरिक्त स्नातक स्तर पर 10,298 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इसमें सबसे अधिक 4,716 फार्म बीए प्रथम वर्ष के लिए भरे गए हैं।

डायरिया के लक्षण नजर आएं तो बच्चे को ओआरएस का घोल देकर सुरक्षित बनाएं : डॉ. हंसराज

» स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में "स्टॉप डायरिया कार्यक्रम" के तहत पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से चलाया जा रहा 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

फिरोजाबाद। बच्चे को दिन में तीन बार से अधिक पतली दस्त हो, प्यास ज्यादा लगे और आँखें धंस गयी हों तो यह डायरिया सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे को जल्दी से जल्दी ओआरएस का घोल देना शुरू करें और निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर

सम्पर्क करें। ओआरएस का घोल तब तक देते रहें जब तक की दस्त ठीक न हो जाए। इसके अलावा स्थानीय एएनएम या आशा दीदी के सहयोग से जिंक की गोली प्राप्त कर लें और उनके द्वारा बताये गए तरीके से 14 दिनों तक बच्चे को अवश्य दें। यह कहना है राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. हंसराज सिंह का।

डॉ. सिंह का कहना है कि बारिश और उमस के चलते बच्चों में उल्टी-दस्त (डायरिया) की शिकायत बढ़ जाती है, ऐसे में उनका ख्याल रखना बहुत जरूरी है। तापमान कम-ज्यादा होने के चलते पाचन शक्ति पर सीधा असर पड़ता है और बच्चा आसानी से डायरिया की गिरफ्त में आ जाता है। डायरिया की सही समय पर पहचान जरूरी है क्योंकि लम्बे समय तक बच्चा डायरिया की चपेट में रहा तो अन्य शारीरिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। डॉ. सिंह का कहना है कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। माताएं छह माह से ऊपर के बच्चों को स्तनपान कराती रहें और हमेशा साफ़-सुथरा पानी ही पिलायें। छह माह से कम उम्र के बच्चों को स्तनपान के अलावा बाहरी कोई भी चीज न दें यहाँ तक कि पानी भी नहीं। इस अवस्था में बाहरी चीज देने से संक्रमण का जोखिम बना रहता है। मां के दूध में बच्चे की जरूरत के मुताबिक़ पानी की मात्रा होती है, इसलिए बाहर से पानी न पिलाएं।

डॉ. सिंह का कहना है कि डायरिया से बच्चों को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में "स्टॉप डायरिया कार्यक्रम" चलाया जा रहा है, इसी के तहत पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई-इंडिया) और केनव्यू कम्पनी के सहयोग से एक अनूठी पहल की गयी है। इसके तहत जिले में 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत फ्रंटलाइन वर्कर आशा, आंगनबाड़ी और एएनएम के साथ महिला आरोग्य समितियों की सदस्यों का संवेदीकरण किया जा रहा है ताकि डायरिया से बच्चों को सुरक्षित बनाने के लिए समुदाय स्तर पर लोगों को जागरूक करें। लोगों को डायरिया से जुड़े मिथक (भ्रांतियों) के बारे में बताएं। माताओं को बताएं कि ओआरएस का घोल शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है। यह सिर्फ दस्त को ही नहीं रोकता बल्कि बच्चों को जोखिम से सुरक्षित भी बनाता है।

स्वच्छता अग्रदूत के रूप में नामित किए गए पद से दिया त्यागपत्र

सुल्तानपुर। विगत वर्ष नगर पालिका परिषद द्वारा गोमती मित्र मंडल के प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन के स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम एवं अनवरत चलाए जा रहे स्वछता श्रमदान को देखते हुए "स्वच्छता एवं सेवा ब्रांड एंबेसडर" (स्वच्छता अग्रदूत) के रूप में नामित किया गया था, नगर पालिका परिषद के उक्त नामांकन से गोमती मित्र मंडल को उम्मीद थी कि नगर पालिका परिषद द्वारा श्री सीताकुंड धाम के विकास के लिए उठाई गई मांगों का पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से निस्तारण किया जाएगा, लेकिन बीते वर्षों में किसी भी एक मांग का ना तो निस्तारण ही किया गया ना ही सीता कुंड धाम के समुचित विकास के प्रति नगर पालिका परिषद द्वारा रुचि दिखाई गई। मीडिया प्रभारी ने बताया कि इससे छुब्ध होकर गोमती मित्रों से निर्णय करने के बाद मदन सिंह ने पद छोड़ने से संबंधित पत्र नगर पालिका परिषद प्रशासन को भेज दिया है।

436 करोड़ जीएसटी किया जमा, ऐसा करने पर हसायन के हेमंत शर्मा को लखनऊ में सीएम ने किया सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। हसायन कस्बे के सेवानिवृत शिक्षक के पुत्र एवं नोएडा में कार्यरत लौंग चीयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड मोबाइल कंपनी के निदेशक हेमंत शर्मा को 436 करोड़ रुपये का जीएसटी जमा करने पर सम्मानित किया गया है। भामाशाह जयंती पर मनाए गए व्यापारी कल्याण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोकभवन में आयोजित समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कोतवाली हसायन क्षेत्र के गांव नगला रति निवासी जगदीश शर्मा सेवानिवृत शिक्षक हैं, वर्तमान में वे कस्बे के मोहल्ला किशन में रहते है। जगदीश शर्मा सीताराम सिंह इंटर कॉलेज से वरिष्ठ प्रवक्ता पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उनके बड़े बेटे हेमंत कुमार शर्मा वर्तमान में लौंग चीयर मोबाइल प्राइवेट इंडिया लिमिटेड में निदेशक हैं। हेमंत के भाई अक्षत शर्मा ने बताया कि उनकी कंपनी ने इस वर्ष 2024-25 में जीएसटी में 436 करोड़ रुपये जमा किए हैं। इस कंपनी में कई दिग्गज मोबाइल कंपनियों के लिए अलग-अलग कई काम किए जाते हैं।

योगी सरकार ने 63 तहसीलदार को बनाया एसडीएम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 63 तहसीलदारों को एसडीएम के पद पर पदोन्नति दे दी है। इन्हें सातवें वेतनमान में पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 में 56,100-1,77,500 रुपये वेतनमान मिलेगा। नियुक्ति विभाग ने सोमवार को इसके आदेश जारी कर दिए।

पदोन्नति के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में डीपीसी की बैठक 26 जून को हुई थी। इन्हें वर्तमान तैनाती के स्थान पर ही पदोन्नत करते हुए कार्यभार ग्रहण करने के लिए कहा गया है। इनका परिवीक्षा काल दो वर्ष का होगा। नियुक्ति विभाग ने दो आदेश अलग से जारी किए हैं। इनमें श्रावस्ती में तैनात प्रदुमन कुमार को उनके कनिष्ठ विनोद कुमार की पदोन्नति 20 मार्च 2025 की तिथि से कार्यभार ग्रहण करने की तिथि तक नोशनल प्रोन्नति दी जाएगी। कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उन्हें वास्तविक प्रोन्नति प्रदान की जाएगी। उनकी ज्येष्ठता बाद में निर्धारित की जाएगी।

इसी प्रकार आगरा में तैनात श्रद्धा पांडेय को भी उनकी कनिष्ठ रानी गरिमा जायसवाल की 30 जून 2023 की प्रोन्नति की तिथि से कार्यभार ग्रहण करने की तिथि तक नोशनल प्रोन्नति दी जाएगी। कार्यभार ग्रहण करने तिथि से वास्तविक प्रोन्नति प्रदान की जाएगी। इनकी भी ज्येष्ठता बाद में निर्धारित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में विद्युत सखी कार्यक्रम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी सफलता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन में ग्रामीण महिलाओं के आजीविका संवर्धन और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास हो रहे हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के विद्युत सखी कार्यक्रम में महिलाओं ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1045 करोड़ रुपए का विद्युत बिल कलेक्शन कर एक नई उपलब्धि हासिल की है। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 256 करोड़ रुपए का संग्रह हो चुका है। पिछले वर्षों की बात करें तो 2021-22 में 87 करोड़, 2022-23 में 262 करोड़ और 2023-24 में 466 करोड़ रुपए की विद्युत बिल वसूली हुई थी। कार्यक्रम शुरू होने से अब तक विद्युत सखियों ने 2120 करोड़ रुपए का कुल राजस्व कलेक्शन कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को रोजगार देना और उन्हें सशक्त बनाना है, साथ ही ग्रामीण इलाकों में डिस्कॉम की विद्युत बिल कलेक्शन क्षमता को बढ़ाना भी है। इसे उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल), आईसीआईसीआई बैंक और तकनीकी सहायता एजेंसी काउंसिल ऑन एनर्जी एनवायरनमेंट एंड वाटर के सहयोग से चलाया जा रहा है।वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्युत सखी कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल हुए। इस दौरान 438 विद्युत सखियों ने लखपति दीदी बनने का गौरव प्राप्त किया और लगभग 13.4 करोड़ रुपए का कमीशन कमाया।

दारू पीकर गार्ड को पीटा

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में एक व्यक्ति ने दारू के नशे में धुत होकर रात्रि ड्यूटी पर तैनात गार्ड की कर दी। गार्ड ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़ति गार्ड आशीष कुमार ने बताया कि वह सेक्टर D3 मेन गेट पर रात्री मे ड्यूटी करता हूँ। 27 जून की रात्रि 1 बजे के लगभग सेक्टर D3 बिला नम्बर 56K किरायेदार दारु पीके गेट पर आये और जबरदस्ती अपनी गाडी गेट पर लडा दी। गार्ड ने बताया कि जब मैने गेट खोला तो वह गाली देने लगे मुझे और दो तीन थप्पड मार दिए । जब अपने सुपरवाइजर साथियो को बुलाया तो धमकी देते हुए अन्दर चले गये और बोले जान से मरवा दूंगा।

पुलिस ने गार्ड की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर

बिजली विभाग में भ्रष्टाचार का नया चेहरा : संविदा लाइनमैन पर अवैध कनेक्शन देने के गंभीर आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। साउथ सिटी उतरठिया, राज्य में बिजली विभाग की कार्यशैली और जवाबदेही को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। बिरूरा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, विभाग का एक संविदा लाइनमैन सुखबीर यादव आरोपों के घेरे में है। स्थानीय निवासियों और क्षेत्रीय सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि लाइनमैन सुखबीर यादव ने बिना किसी वैध प्रक्रिया या विभागीय अनुमति के कुछ खास लोगों को बिजली कनेक्शन मुहैया कराए हैं। सूत्रों का कहना है कि एक उपभोक्ता के प्लांट से अवैध रूप से कनेक्शन जोड़कर यह सुविधा उत्कर्ष यादव को दी गई। इसके अलावा, यह भी सामने आया है कि प्लाटिंग एरिया में बिजली के कनेक्शन बांस-बल्लियों के सहारे लगाए गए हैं, जो न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि लोगों की जान-माल के लिए भी खतरा बन सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लाइनमैन द्वारा कथित रूप से मोटी रकम लेकर अवैध कनेक्शन दिए जा रहे हैं। इससे विभाग को राजस्व की हानि हो रही है और नियमित उपभोक्ताओं को असुविधाजनक बिजली आपूर्ति का सामना करना पड़ रहा है। गौर करने वाली बात यह है कि इतने गंभीर आरोप सामने आने के बावजूद विभाग की ओर से अब तक कोई औपचारिक बयान या कार्रवाई नहीं की गई है क्षेत्रीय नागरिकों ने ऊर्जा विभाग से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी संविदा कर्मचारी पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों की निगरानी के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए।

स्कूलों को मर्ज करने से बढ़ी दूरी, कैसे पहुंचेंगे बच्चे

लखनऊ। विकास खंड गोसाईंगंज में नए सत्र के प्रारंभ में ही 131 प्राइमरी स्कूलों से कई विद्यालय मर्ज होने से यह संख्या घट कर 103 बची है। विद्यालयों के मर्ज होने से बच्चों के घरों और स्कूलों की दूरी बढ़ गई है। गांव में स्कूल होते हुए जब संख्या नहीं बढ़ी तो दूरी बढ जाने से और भी कम हो सकती है। सरकार ने जिन सरकारी विद्यालय 40 से कम संख्या है उन विद्यालयों के बच्चों को नजदीक के स्कूलों में मर्ज कर दिया गया। मंगलवार को खुले विद्यालयों में कई विद्यालय ऐसे भी थे जहाँ जिन विद्यालयों को मर्ज किए गया वहां बच्चे नही पहुंचे। शिक्षक ही नजर आए। गोसाईंगंज ब्लाक के कुतुबपुर प्राथमिक विद्यालय को हँसना पुर गांव के विद्यालय में मर्ज किए गया लेकिन दूरी बढ़ने से मंगलवार को कुतुबपुर विद्यालय के बच्चे स्कूल नही गए। ऐसे ही रानी खेडा गांव के विद्यालय को सेखनपुर गांव के विद्यालय में मर्ज किए गए।

एनएसयूआई ने किया विधानसभा घेराव, 27 हजार विद्यालयों की बंदी के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 50 से कम नामांकन वाले प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को पास के विद्यालयों में समायोजित करने के निर्णय का विरोध तेज होता जा रहा है। इस निर्णय से प्रदेशभर में अनुमानतः 27 हजार से अधिक विद्यालय बंद हो सकते हैं। सरकार के इस फैसले को अलोकतांत्रिक और शिक्षा विरोधी करार देते हुए सोमवार को एनएसयूआई ने विधानसभा घेराव किया।एनएसयूआई मध्य जोन के अध्यक्ष अनस रहमान और पूर्वी जोन के अध्यक्ष रिषभ पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय से विधानसभा की ओर कूच करने निकले। रास्ते में पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन जब प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़े, तो पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक हुई।प्रदर्शन स्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए अनस रहमान ने कहा कि कल्याणकारी राज्यों की सरकारों का कर्तव्य है कि वे हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने संविधान के 86वें संशोधन द्वारा शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया था, जबकि वर्तमान सरकार गांवों के गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है ताकि वे आवाज उठाने लायक न बन सकें।रहमान ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया तो आगामी 25 दिनों में एनएसयूआई प्रदेशव्यापी बड़ा आंदोलन करेगी, जिसमें एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी भी शामिल होंगे।पूर्वी जोन अध्यक्ष रिषभ पाण्डेय ने आरोप लगाया कि योगी सरकार निजी विद्यालयों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्कूलों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में प्रवेश की उम्र 6 वर्ष है, जबकि निजी स्कूल 3-4 वर्ष में ही बच्चों को दाखिला दे देते हैं। इससे सरकारी स्कूलों में नामांकन लगातार गिरता जा रहा है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में प्री-प्राइमरी शिक्षा की व्यवस्था को भी केवल कागजों की योजना बताया।पाण्डेय ने यह भी कहा कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत यह प्रावधान है कि किसी सरकारी स्कूल के एक किलोमीटर दायरे में निजी स्कूल को मान्यता नहीं दी जा सकती, लेकिन राज्य सरकार ने इसका खुला उल्लंघन किया है।

लखनऊ पुलिस की बड़ी कामयाबी : चैन स्नैचिंग और बाइक चोरी में वांछित शातिर लुटेरा गिरफ्तार, एक ही दिन में दी थीं चार वारदातों को अंजाम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बीते दिनों हुई एक के बाद एक झपटमारी और चोरी की वारदातों से जहां आमजन में दहशत का माहौल था, वहीं अब पुलिस को इस सिलसिले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पूर्वी जोन अंतर्गत थाना गोमतीनगर की पुलिस व सर्विलांस टीम ने संयुक्त अभियान में एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार कर इन मामलों का सफल अनावरण किया है।गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान बृजेश तिवारी उर्फ विष्णु पुत्र मुकेश तिवारी निवासी देवकली रोड, सुभाष नगर, थाना सदर कोतवाली, जनपद लखीमपुर खीरी के रूप में हुई है। अभियुक्त के पास से लूट की गई एक पीली धातु की चैन का टुकड़ा, कान की बाली, 1250 रुपये नकद तथा एक HF डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की गई है। यह वही बाइक है जो उसने अपने साथी अनुभव शुक्ला उर्फ राजा के साथ मिलकर जनपद खीरी के बेहजम रोड स्थित एक खाद की दुकान के पास से चोरी की थी।इस गिरफ़्तारी से कुछ ही दिनों में लखनऊ शहर में हुई कई झपटमारी की घटनाओं का खुलासा हुआ है। 28 जून को थाना गोमतीनगर क्षेत्र के विवेक खंड में एक महिला पद्मा पांडेय के साथ चैन स्नैचिंग की वारदात हुई थी, जिसकी रिपोर्ट स्थानीय थाने में दर्ज कराई गई थी। इसी दिन तुलसी पार्क, थाना कृष्णानगर क्षेत्र में भी एक अन्य महिला से चैन छीनने की घटना सामने आई। इसके अतिरिक्त विकासनगर थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला से कान की बाली छीन ली गई थी। इन सभी घटनाओं को एक ही गैंग द्वारा अंजाम दिया गया था, जिसकी पुष्टि पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वयं की।पुलिस को आज मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी की बाइक से दयाल चौराहे से साहरा क्रिकेट एकेडमी की तरफ आने वाली सड़क से होकर निकलने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चेकिंग शुरू की। जैसे ही संदिग्ध बिना नंबर की बाइक से मौके पर पहुंचा और पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने न केवल गोमतीनगर क्षेत्र की झपटमारी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की, बल्कि यह भी बताया कि उसने अन्य क्षेत्रों में भी अपने साथी के साथ वारदातें की हैं।गिरफ्तार अभियुक्त बृजेश तिवारी के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। लखीमपुर खीरी, सीतापुर और लखनऊ जनपद के विभिन्न थानों में उस पर हत्या के प्रयास, चोरी, झपटमारी, बलवा, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। इनमें थाना धौरहरा खीरी में दर्ज 304 और 317(2) व 317(5) बीएनएस की धाराओं से लेकर कोतवाली सीतापुर, कोतवाली सदर खीरी और अन्य थानों में कई मुकदमे शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास और भी लंबा हो सकता है जिसकी जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस अब अभियुक्त के फरार साथी अनुभव शुक्ला उर्फ राजा की तलाश में दबिश दे रही है, जो इन सभी घटनाओं में इसका मुख्य सहयोगी था। पुलिस को उम्मीद है कि उसकी गिरफ्तारी से और भी कई संगीन मामलों का खुलासा हो सकेगा।इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली संयुक्त पुलिस टीम में थाना गोमतीनगर के प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश चंद्र तिवारी, उप निरीक्षक मृत्युंजय नाथ शर्मा, ज्ञान प्रकाश सिंह, राकेश वर्मा, सर्विलांस टीम प्रभारी उपनिरीक्षक अमरनाथ चौरसिया, और अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे जिन्होंने तत्परता और समन्वय के साथ इस अभियान को सफल बनाया।

सालों पुरानी रंजिश में युवक की नृशंस हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार — दोस्त ने ही रच डाली मौत की साजिश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मदेयगंज थाना क्षेत्र में 24 वर्षीय युवक मोहम्मद साबिर की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ा खुलासा किया है। यह हत्या एक सुनियोजित साजिश के तहत की गई, जिसकी पृष्ठभूमि में सात वर्ष पुराना एक हत्या का मामला है। मृतक के ही पुराने दोस्त ने धोखा देकर उसे साजिशकर्ताओं के हवाले कर दिया था।हत्या की यह घटना 28 जून को सामने आई जब रायबरेली निवासी मोहम्मद वसीम ने मदेयगंज थाने में अपने छोटे भाई मोहम्मद साबिर की हत्या को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई। रिपोर्ट के अनुसार, साबिर को चाकू, चापड़, फावड़े और हथौड़ी जैसे हथियारों से मारकर हत्या की गई और उसका शव लखनऊ के शिवनगर ढाल के पास बंधे के नीचे स्थित एक मकान में फेंक दिया गया।पुलिस की जांच में सामने आया कि मृतक को रायबरेली से लखनऊ लाने का काम उसके ही दोस्त मोहम्मद राशिद उर्फ शाबान ने किया था। उसे यह काम करने के लिए साजिशकर्ताओं से पैसे मिले थे और हत्या के बाद चार लाख रुपये देने का वादा किया गया था। यह साजिश मुन्ना घोसी, उसकी पत्नी शबाना, उसका बेटा शादाब और भतीजा नसीम ने रची थी।दरअसल, साल 2017 में मोहम्मद साबिर ने मुन्ना घोसी के बेटे पप्पू घोसी उर्फ अबुल वफा की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। तभी से घोसी परिवार बदले की आग में जल रहा था। वर्षों बाद उन्होंने मोहम्मद राशिद को अपने साथ मिलाकर साबिर को जाल में फंसाया और रायबरेली से लखनऊ बुलाकर उसका खात्मा कर दिया।पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड में मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मोहम्मद राशिद को कैसरबाग बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया गया, जबकि शबाना को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, जहां साक्ष्यों के आधार पर उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले साजिश में शामिल मकान मालिक सईद अहमद को पुलिस 29 जून को ही गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी है।गिरफ्तार किए गए मोहम्मद राशिद उर्फ शाबान की उम्र 19 वर्ष है और वह मूल रूप से कानपुर के चमनगंज इलाके का रहने वाला है, जबकि शबाना रायबरेली की रहने वाली है और हत्या के षड्यंत्र में आर्थिक और मानसिक रूप से सक्रिय भूमिका निभा रही थी। राशिद पर पहले से भी हत्या का मुकदमा दर्ज है—वर्ष 2019 में कोतवाली नगर, रायबरेली में धारा 304/34 के तहत उस पर मामला पंजीकृत हुआ था।हत्या के इस मामले में पुलिस ने IPC की धारा 61(2), 103(1) और 3(5) बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

लखनऊ में आयुर्वेद घोटाले से जुड़े वांछित वारंटी अपराधी शाहरुख उर्फ मामू गिरफ्तार, चौक थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की चौक थाना पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। आयुर्वेद घोटाले से जुड़े तीन गंभीर मामलों में वांछित चल रहे शातिर अपराधी मो. शाहरुख उर्फ मामू को पुलिस ने आज उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी पुलिस के कुशल पर्यवेक्षण और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार अपराधियों की धरपकड़ और न्यायालय से जारी वारंटों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए चौक पुलिस ने विशेष सतर्कता बरती। पुलिस आयुक्त लखनऊ के आदेश पर पश्चिमी जोन के पुलिस उपायुक्त विश्वजीत श्रीवास्तव, अपर पुलिस उपायुक्त धनंजय सिंह कुशवाहा और सहायक पुलिस आयुक्त राजकुमार सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक चौक नागेश उपाध्याय के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की।गिरफ्तारी की कार्रवाई आज दिनांक 1 जुलाई 2025 को दोपहर करीब 12:45 बजे की गई। पुलिस ने थवई टाला, थाना चौक क्षेत्र में स्थित आरोपी के आवास पर दबिश देकर उसे हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, मो. शाहरुख उर्फ मामू लंबे समय से फरार चल रहा था और न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील नहीं हो पा रही थी।गिरफ्तार किए गए आरोपी के खिलाफ विशेष न्यायालय (आयुर्वेद घोटाला प्रकरण), लखनऊ द्वारा तीन अलग-अलग मुकदमों में गिरफ्तारी अधिपत्र जारी किए गए थे। ये मुकदमे चोरी और चोरी के माल की खरीद-फरोख्त जैसे संगीन अपराधों से जुड़े हैं, जिनमें आरोपी की संलिप्तता न्यायिक जांच में सामने आई थी। दर्ज मामलों में थाना चौक पर अपराध संख्या 179/22, 176/22 और 151/22 के तहत धारा 379, 411, 413 व 414 भादवि के तहत मुकदमे दर्ज हैं, जिनका विशेष न्यायालय में विचारण चल रहा है।पुलिस का कहना है कि शाहरुख उर्फ मामू एक पुराना अपराधी है, जो न्यायिक कार्यवाही से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था। पुलिस को उसकी गिरफ्तारी से न केवल आयुर्वेद घोटाले के मामलों की जांच में गति मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में सक्रिय अन्य संगठित आपराधिक तत्वों के खिलाफ भी मजबूत संदेश जाएगा।गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक विधिक कार्यवाही के बाद न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है। इस कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम में चौकी प्रभारी गलीशाहछड़ा उप निरीक्षक राजेन्द्र बाबू तथा कांस्टेबल अजय कुमार ने अहम भूमिका निभाई।इस गिरफ्तारी को पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की अपराधियों के विरुद्ध चल रही सघन नीति का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण और कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाना है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे ही वांछित और फरार अपराधियों के खिलाफ आने वाले दिनों में भी अभियान जारी रहेगा।

लखनऊ में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मानसून के आगमन के साथ संचारी रोगों के खतरे को देखते हुए राजधानी लखनऊ में एक माह तक चलने वाला विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान आज से प्रारंभ हो गया। दस्तक अभियान के तहत इस महाअभियान की शुरुआत नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अलीगंज से हुई। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, लखनऊ उत्तर से विधायक नीरज बोरा, पार्षद पृथ्वी गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, जोनल अधिकारी, जोनल स्वास्थ्य अधिकारी, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संचिता मिश्रा, सत्येंद्र नाथ, पुष्कर पटेल एवं फॉगिंग टीम के सदस्य मौजूद रहे।

यह अभियान नगर निगम लखनऊ, स्वास्थ्य विभाग और मलेरिया विभाग के संयुक्त प्रयास से संचालित किया जा रहा है, जिसमें फॉगिंग और एंटी लार्वा स्प्रिंकलिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से शहर में मच्छरों की संख्या को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष मशीनों का प्रयोग कर फॉगिंग और लार्वा रोधी छिड़काव किया जा रहा है।उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता जरूरी है। सरकार का उद्देश्य न केवल बीमारियों को नियंत्रित करना है, बल्कि जनता को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाना भी है। विधायक नीरज बोरा ने कहा कि हर नागरिक की भागीदारी इस अभियान को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों और आसपास की साफ-सफाई बनाए रखें और जलजमाव न होने दें।

अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर लोगों को रोगों से बचाव की जानकारी देंगे। साथ ही बुखार, खांसी, त्वचा रोग, उल्टी-दस्त जैसे लक्षणों वाले लोगों की पहचान कर उन्हें उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा सामूहिक रूप से शहर के स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने और संचारी रोगों के प्रसार को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।यह अभियान 31 जुलाई 2025 तक लगातार चलाया जाएगा और प्रशासन का लक्ष्य है कि लखनऊ को संचारी रोगों से सुरक्षित और स्वस्थ शहर बनाया जाए।

क्यों नहीं पहुंच पातीं सरकारें घरों की दहलीज तक?

भारतीय राजनीति में महिलाओं के सशक्तीकरण की बातें खूब होती हैं। चुनावी घोषणापत्रों में उनके लिए वादे भी किए जाते हैं, परंतु चुनाव बीतते ही वायदों पर धूल की परत जम जाती है। शायद ही कोई जनप्रतिनिधि उनके दुख-दर्द को सुनने, उनकी अपेक्षाओं को समझने के लिए घर की दहलीज तक जाता हो?

यह एक कड़वी सच्चाई है जिसे देश के अधिकांश राज्यों में महिलाओं ने जिया है। लेकिन तारीफ करनी होगी बिहार की जिसने इस परिपाटी को तोड़कर एक नई मिसाल कायम की है। एक ऐसा प्रदेश, जिसने दशकों तक महिलाओं को पुरुषों के निर्देशों पर मताधिकार का प्रयोग करते देखा, आज वही महिला सशक्तीकरण की एक ऐसी नई इबारत लिख रहा है, जो देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बन चुकी है।

इस परिवर्तनकारी यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव 'महिला संवाद' कार्यक्रम है, जिसे विगत 18 अप्रैल से प्रदेश में ग्राम स्तर पर शुरू किया गया। यह पहल केवल एक सरकारी कवायद नहीं, बल्कि महिलाओं को केंद्र में रखकर सामाजिक बदलाव को गति देने का एक सशक्त माध्यम है। यह कार्यक्रम प्रदेश की बेटियों, माताओं और बहनों की आवाज़ को गंभीरता से सुनने, समझने और भविष्य की नीतिगत व प्रशासनिक पहलों को आकार देने का एक महत्त्वपूर्ण मंच बन गया है।

यह संतोष का विषय है कि अब तक 38 जिलों में 52,468 महिला संवाद कार्यक्रमों का सफल आयोजन हो चुका है, जिसमें कुल 1 करोड़ 13 लाख से अधिक महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। यह संख्या इस बात का भी जीवंत प्रमाण है कि प्रदेश की महिलाएं अब अपनी आवाज उठाने और सरकार से सीधे जुड़ने को लेकर कितनी उत्सुक और जागरूक हैं। दरभंगा से लेकर पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, पश्चिमी चंपारण, गया, पूर्णिया, समस्तीपुर, नालंदा और वैशाली तक, हर जगह महिलाओं ने बेबाकी से अपनी बात रखी है। उन्होंने नीति-निर्माताओं को यह समझने का अवसर दिया है कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में आगे किन प्राथमिकताओं के साथ कदम बढ़ाए जाएं। महिला संवाद की यह पृष्ठभूमि आकस्मिक नहीं है। नीतीश कुमार के कार्यकाल को ध्यान से देखें तो पता चलता है कि सबसे पहले, लड़कियों में शिक्षा की अलख जगाने पर ज़ोर दिया गया। जहां वर्ष 2000 के आसपास बिहार में लड़कियाँ सरकारी स्कूलों में कम जाती थीं, वहीं वर्ष 2006 में मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना की शुरुआत ने क्रांतिकारी परिवर्तन लाया। इस योजना ने लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रेरित किया, जिससे वे दूर-दराज के गांवों से भी साइकिल चलाकर स्कूल पहुंचने लगीं। इसकी सफलता ने देश के अन्य राज्यों को भी इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में भी ऐतिहासिक कदम उठाए गए। वर्ष 2013 से पुलिस भर्ती में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। 2016 से सभी प्रकार की सरकारी नियुक्तियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया जा रहा है, और प्राथमिक शिक्षक नियोजन में तो 50 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें सशक्त किया गया है।

महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबी उन्मूलन में 'जीविका' स्वयं सहायता समूह का गठन भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2006 में विश्व बैंक से ऋण लेकर शुरू की गई 'जीविका' ने ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक उन्नति के लिए वरदान साबित हुई है। मुख्यमंत्री द्वारा इन महिलाओं को दिया गया 'जीविका दीदी' नाम आज एक पहचान बन चुका है। वर्तमान में, बिहार में 10 लाख 64 हजार स्वयं सहायता समूह काम कर रहे हैं, जिनसे 1 करोड़ 35 लाख से अधिक जीविका दीदियाँ जुड़ी हैं। जीविका से जुड़कर ये महिलाएं लघु उद्योगों और कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित कर अपने और अपने समुदाय के जीवन स्तर में सुधार ला रही हैं।

'महिला संवाद' कार्यक्रम में प्रदेश की महिलाओं ने कई महत्त्वपूर्ण और व्यवहारिक मांगें रखी हैं, जो उनकी दूरदृष्टि और आकांक्षाओं को दर्शाती हैं। उनकी सबसे प्रमुख मांग स्वरोजगार से जुड़ी है, जिसमें स्वयं सहायता समूहों के लिए सस्ते ब्याज दरों पर ऋण और 'जीविका दीदी की रसोई' व 'जीविका दीदी हाट' जैसी पहल शामिल हैं। कृषि क्षेत्र में प्रखंड स्तर पर राइस मिलों की स्थापना, वेजिटेबल मार्ट, किसान सम्मान निधि में वृद्धि और कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना की मांगें भी मुखरता से उठी हैं।

बुनियादी सुविधाओं के लिए 'जीविका भवन', लाइब्रेरी और पंचायत स्तर पर बैंकिंग सुविधाओं की मांग की गई है। सामाजिक सुधारों में शराबबंदी की तर्ज पर गुटखा, सिगरेट और तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध, और सुरक्षा के लिए महिला पुलिस चौकी, हेल्प डेस्क तथा प्रखंड स्तर पर महिला थाना बनाने की मांगें भी प्रमुखता से रखी गई हैं। यह आशा की जाती है कि सरकार इन मांगों पर शीघ्रता से विचार कर अपेक्षित निर्णय लेगी।

अवैध झुग्गियों पर चले बुलडोजर से सुलगते सवालों के बीच अरविंद केजरीवाल दिल्ली दंगल में फिर कूदे

बताया जाता है कि भारतीय राजनीति में किसी भी चतुर नेता की सियासी मौत नहीं होती है, बल्कि ब्रेक के बाद उसके फिर से उभरने के चांसेज बने रहते हैं।

कमलेश पांडे

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर से यहां के सियासी दंगल में कूद पड़े हैं। प्रायः उसी अंदाज में, जैसा कि वो चुनाव से पहले दिखाया करते थे। ऐसे में सवाल है कि आखिर ऐसी क्या वजह रही कि उन्हें खुद ही मैदान में उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा।

देश की राजधानी और दिलवालों के शहर दिल्ली की अवैध झुग्गियों पर चले बुलडोजर से उपजते सवालों के बीच प्रमुख विपक्षी पार्टी आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल भी अपने सुलगते आरोपों के साथ कूद पड़े हैं। इससे सत्ताधारी भाजपा की सियासी मुश्किलें बढ़नी स्वाभाविक हैं, जिससे बचने के लिए उसके नेता दलील दे रहे हैं कि कोर्ट के आदेशों के दृष्टिगत यह कार्रवाई चल रही है। लिहाजा इसमें भाजपा का कोई हाथ नहीं है। जबकि दिल्ली के दंगल में कूदे अरविंद केजरीवाल अपने पुराने बयानों का हवाला देते हुए याद दिला रहे हैं कि चुनाव से पहले ही उन्होंने झुग्गियों पर होने वाली संभावित कार्रवाई के बारे में लोगों को आगाह कर दिया हूँ और अब उनका साथ मिला तो दिल्ली सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई उनकी पार्टी लड़ेगी।

इसलिए चर्चा है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर से यहां के सियासी दंगल में कूद पड़े हैं। प्रायः उसी अंदाज में, जैसा कि वो चुनाव से पहले दिखाया करते थे। ऐसे में सवाल है कि आखिर ऐसी क्या वजह रही कि उन्हें खुद ही मैदान में उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह आदि के रहते हुए भी उन्हें किसी सेनानायक की तरह खुद ही सियासी मैदान में उतरना पड़ा। जबकि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद वो पंजाब का रुख कर चुके थे। वहीं, पंजाब व गुजरात विधानसभा उपचुनाव की जीत ने भी उन्हें उत्साहित किया है।

बताया जाता है कि भारतीय राजनीति में किसी भी चतुर नेता की सियासी मौत नहीं होती है, बल्कि ब्रेक के बाद उसके फिर से उभरने के चांसेज बने रहते हैं। बशर्ते कि उसे मुद्दे की समझ हो और जनसंघर्ष की ललक। ये दोनों चीजें केजरीवाल में कूट कूट कर भरी हैं। यही वजह है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के हारने के कई महीनों बाद अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पूरी रौ में दिखे और दिल्ली सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक पर फिर उसी तरह से अटैक किया, जैसे वो पहले किया करते थे।

इसलिए लोगों के जेहन में यह सवाल कुरेद रहा है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि केजरीवाल को दिल्ली के मैदान पर उतरना पड़ा, जबकि दिल्ली में शिकस्त के बाद उन्होंने पंजाब में डेरा डाल दिया था। इस बीच कुछ घटनाएं भी हुईं, लेकिन वे दिल्ली आने से बचे। इससे लोग कयास लगा रहे हैं कि शायद वो गम्भीरता पूर्वक दिल्ली में वापसी का रास्ता और मुद्दे दोनों तलाश रहे थे, जो दिल्ली की अवैध झुग्गियों पर चले बुलडोजर ने उन्हें दे दिया। क्योंकि ये लोग ही तो उनके कोर वोटर्स रहे हैं।

यही वजह है कि जब उनके कोर वोटर्स के अवैध झुग्गियों पर बुलडोजर चला तो अरविंद केजरीवाल अपनी पूरी टीम के साथ पुनः दिल्ली दाखिल हो लिए और यहां के सियासी दंगल में जोरदार पलटवार के अंदाज में उतर गए। अपनी सोची समझी रणनीति के मुताबिक वो पहले दिल्ली सरकार, उसके बाद केंद्र सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने झुग्गी वासियों को याद दिलाते हुए कहा कि, 'चुनाव से पहले मैंने दिल्ली के गरीबों और झुग्गीवालों के लिए वीडियो जारी करके कहा था कि अगर बीजेपी की सरकार आ गई तो यह एक साल में ही झुग्गियां तोड़ देंगे। आज वही हो रहा है। ये सारी झुग्गियां तोड़ने का इरादा लेकर आए हैं।'

इससे स्पष्ट है कि केजरीवाल का मकसद साफ है कि अब दिल्ली में दो-दो हाथ करने हेतु वो फिर से उतर गए हैं। ऐसे में सवाल फिर वही कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि केजरीवाल को फिर दिल्ली के दंगल में उतरने का मौका मिल गया? आखिर झुग्गियों पर बुलडोजर चला तो केजरीवाल को क्यों चुभा? जिससे वो फिर से दिल्ली के सियासी दंगल में उतरने को मजबूर हुए।

समझा जाता है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने यहां पर वो कार्ड चल दिया जो केजरीवाल के लिए मुसीबत बन सकता था। क्योंकि अगर वे इस वक्त नहीं बोलते, तो यहां की झुग्गियों का एक बड़ा वर्ग उनसे छूट जाता। इसलिए केजरीवाल ने कहा भी है कि, 'दिल्ली की झुग्गियों में 40 लाख लोग रहते हैं, यदि ये इकट्ठे हो गए तो किसी की औकात नहीं है जो आपकी झुग्गी तोड़ने आ जाए।'

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि यह सारा खेल इन 40 लाख लोगों यानी वोटर्स का है, जिसके चलते अरविंद केजरीवाल पुनः अपना सियासी मैदान पाने और बचाने, दोनों के लिए एक सोची समझी रणनीति के तहत पुनः मैदान में कूदे हैं। इस प्रकार यदि विधानसभा चुनावों के आंकड़े देखें तो 2015 में आम आदमी पार्टी यानी आप को स्लम वोट में लगभग 66प्रतिशत मिला था। वहीं, सीएसडीएस के सर्वे के मुताबिक, 2020 में आम आदमी पार्टी को 61प्रतिशत वोट यहां मिले। लेकिन 2025 में यह आंकड़ा बदलता दिखा। सियासी कोढ़ में खाज यह कि सबसे ज्यादा स्लम वाली 10 सीटों में 7 बीजेपी को मिल गईं, जो आपके हार की वजह बनी। लेकिन बीजेपी ने उनसे जो गद्दारी की है, उसका सियासी मजा तो वे तब चखाएंगे, जब पुनः यहां पर कोई चुनाव होंगे।

बताते चलें कि दिल्ली में 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं, जहां लगभग तीन लाख परिवार रहते हैं। ये कॉलोनियां यहां की कुल 70 विधानसभा क्षेत्रों में से 62 विधानसभा क्षेत्रों में फैली हुई हैं। खास बात यह कि इन विधानसभा क्षेत्रों में तकरीबन 40 फीसदी वोटर झुग्गी झोपड़ियों वाले हैं, जो किसी भी चुनाव में जीत हार तय करने की स्थिति में होते हैं। कुछ यही वजह है कि केजरीवाल समझते हैं कि अगर इन्हें छोड़ दिया तो दिल्ली का चुनाव आगे जीतना मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि इनमें से बहुत सारे वोटर्स केजरीवाल के कोर वोटर्स रहे हैं। आप की फ्री बिजली-पानी, बस यात्रा, मोहल्ला क्लीनिक जैसी सुविधाएं, इन लोगों को लुभाती रही हैं और केजरीवाल सरकार के ये बड़े लाभार्थी रहे हैं। इसलिए अब झुग्गी झोपड़ियों पर बुलडोजर चलने का मतलब है कि इन वोटर्स में यह भय पैदा किया जा रहा है। चतुर राजनीतिक खिलाड़ी केजरीवाल इस स्थिति का लाभ लेना चाहते हैं।

वहीं, दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल की इस रैली पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि, यह हारे हुए ठुकराए हुए और दिल्ली से भगाए गए लोगों का जमावड़ा है। किराए के लोगों को बुलाकर भीड़ इकट्ठा की गई। ये अर्बन नक्सलवादी विचारधारा मानने वाले लोग हैं। अरविंद केजरीवाल और उनकी पूरी टीम में अराजकवादी लोग हैं जो हमेशा संविधान के खिलाफ जाकर बात करते हैं।

अजब-गजब

मरीज ठीक करने के दौरान डॉक्टर का हो गया इलाज, महिला के सामने कही ऐसी बात अब जाना पड़ेगा 5 साल के लिए जेल

कहते हैं कि अपनी राय लोगों को अपने तक ही सीमित रखनी चाहिए क्योंकि जरूरी नहीं कि जो राय आपकी वहीं सामने वाली की भी हो! हालांकि कई बार लोग इस चीज को समझते नहीं है और एक ऐसी गलती कर बैठते हैं। जिसका खामियाजा हम लोगों को काफी लंबा भुगतना पड़ता है। कुछ इसी तरह का एक किस्सा इन दिनों रूस से सामने आया है। जहां एक डॉक्टर को इसलिए जेल हो गई क्योंकि उसके मरीज ने उसके साथ खेल कर दिया और जब ये किस्सा लोगों के सामने आया तो हर कोई हैरान रह गया।

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, एक महिला अपने बच्चे को सर्दी-खांसी की दवा दिलवाने के लिए डॉक्टर के पास गई थी, लेकिन इस दौरान उसके साथ कुछ ऐसा हुआ कि उसे 5 साल की जेल हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक मास्को की है। 68 साल की बाल रोग विशेषज्ञ नादेज्दा बुइआनोवा को एक मां के कहने पर 5 साल की जेल हो गई। इस डॉक्टर पर आरोप है कि एक प्राइवेट कंसल्टेशन के दौरान यूक्रेन युद्ध और रूसी सेना को लेकर गलत बातें कही थीं। जिस कारण उन्हें ये सजा मिली।

महिला का दावा है कि डॉक्टर ने उसके बेटे से बातचीत में कहा कि उसके पिता का यूक्रेन के हमले में मारा जाना एकदम सही है। इसको लेकर बाद में महिला ने एक वीडियो बना लिया, जो अब लोगों के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद बंदे ने इस केस को जांच एजेंसी के प्रमुख ने अपने हाथों में ले लिया और इसके बाद जो कुछ हुआ उसे सबने देखा। अपनी सजा को लेकर डॉक्टर बुइआनोवा ने कहा, मैंने युद्ध पर कोई टिप्पणी नहीं कि है, मुझे सिर्फ इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि मैं यूक्रेनी मूल का हूं।

हैरानी की बात तो ये है कि ये सारा मामला एक 7 साल के बच्चे और उसकी मां की गवाही पर टिका रहा। इस केस को लेकर मानवाधिकार संगठन मेमोरियल ने उन्हें राजनीतिक कैदी घोषित किया है। मीडिया में आई खबरों की माने तो रूस में ऐसे 800 से ज्यादा लोग हैं, जिनको इस युद्ध के खिलाफ बोलने पर जेल भेजा चुका है। इसके अलावा कुछ को तो सिर्फ 40 पाउंड के डोनेशन के लिए 12-13 साल की जेल मिली है।

ब्लॉग

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

प्रह्लाद सबनानी

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुनः "सोने की चिड़िया" बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है।

भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं

गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी ग़ुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है। हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अतः भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (KGF) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुनः प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुनः स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था।

प्राचीन काल में में भारत को "सोने की चिड़िया" कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है। हाल ही के समय में विदेशी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है अतः भारत का स्वर्णिम काल पुनः प्रारम्भ हो रहा है। विश्व के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास आज 36,000 टन स्वर्ण का भंडार हैं, जबकि इनमे से कई देशों के केंद्रीय बैंक अभी भी स्वर्ण की खरीदी करते जा रहे हैं। स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का आज विश्व में 8वां स्थान है। चीन एवं रूस स्वर्ण के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं फिर भी ये दोनों देश स्वर्ण का आयात भी जारी रखे हुए हैं। लगातार, पिछले 3 वर्षों से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक लगभग 1,000 टन स्वर्ण की खरीद प्रतिवर्ष कर रहे हैं। स्वर्ण की खरीदी का यह कार्य रुकने वाला नहीं है आगे भी ऐसे ही चलता रहेगा। अतः भारत सरकार द्वारा भी कोलार गोल्ड फील्ड में स्वर्ण के खनन का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ भारत, रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण कर सकता है। साथ ही, स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत भी बढ़ती जाएगी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि ईश्वरीय कृपा से एवं उक्त कारणों के चलते भारत को विश्व में एक बार पुनः "सोने की चिड़िया" बनाया जा सकता है।

18 जून की रात क्या हुआ... कैसे पति को तड़पाकर मारा? बॉयफ्रेंड के साथ पकड़ी गई 9 बच्चों की मां, दिया हर सवाल का जवाब

आर्यावर्त संवाददाता

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज में एक हफ्ते पहले एक 9 बच्चों की मां ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी थी और शव को ट्यूबवैल पर टांग दिया था। अब पुलिस ने आरोपी महिला रीना और उसके प्रेमी हनीफ को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में सामने आया कि रीना और हनीफ का तीन सालों से अफेयर चल रहा था। दोनों के चक्कर का पति रतिराम को पता चल गया था। इसलिए रीना ने प्यार में रोड़ा बन रहे पति को निपटा डाला।

ये मामला कासगंज से 24 जून को सामने आया था, जहां पटियाली थाना क्षेत्र की भरगैन गांव में रतिराम अपनी पत्नी रीना और अपने बच्चों के साथ ईंट के भट्टे पर काम करने के लिए आया था। मृतक के भाई अरविंद ने पुलिस को बताया था कि रीना का मायका भरगैन में ही है और उसका यहां रहने वाले हनीफ से अवैध संबंध हैं, जो ईंट-भट्ठे पर ठेकेदारी करता है। अरविंद ने भी बताया कि रीना और हनीफ के बारे में जब रतिराम को पता चला तो दोनों के बीच मारपीट हुई, जिसके बाद रीना और हनीफ ने रतिराम की हत्या कर दी।

तीन साल में तीन बार भाग गई थी रीना

रीना और रतिराम के 9 बच्चे हैं। इनमें से वह तीन की शादी कर चुके थे। लेकिन रीना को अपने से 10 साल छोटे हनीफ से प्यार हो गया था। इसलिए हनीफ के इश्क का खुमार रीना पर ऐसा चढ़ा कि उसने प्यार में रोड़ा बन रहे पति को मार डाला। पूछताछ में रीना ने बताया कि तीन साल पहले हनीफ और उसका अफेयर शुरू हुआ। इन तीन सालों में वह तीन बार हनीफ के साथ भाग गई थी, लेकिन फिर गलती मानकर और पति को भरोसा दिलाकर वापस आ जाती थी।

ऐसे दिया हत्या की वारदात को अंजाम

रीना ने आगे बताया कि पति के रोकने के बावजूद वह और हनीफ एक-दूसरे मिलते रहे। लेकिन पति रतिराम इसको लेकर विवाद करने लग गया था। ऐसे में पति को रास्ते से हटाने के लिए पहले हनीफ और रीना ने प्लान बनाया। प्लान के मुताबिक 18 जून को भरगैन में ही रीना बहाने से रतिराम को अपने साथ खेत में ले गई। वहां हनीफ पहले से ही छिपकर बैठा था। रतिराम के खेत में पहुंचते ही हनीफ ने रतिराम को पकड़ लिया। इसके बाद दोनों ने मिलकर रतिराम को गिरा लिया। हनीफ ने रतिराम का गला दबाया। रतिराम छटपटाने लगा और अपनी जान बचाने के लिए हाथ-पैर चलाने लगा तो रीना ने कसकर उसके हाथ पकड़ लिए और तब तक नहीं छोड़े। जब तक रतिराम की जान नहीं निकल गई। इसके बाद दोनों ने रतिराम की हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए ट्यूबवेल पर टांग दिया था।

दरियागंज रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार

मामले का खुलासा 24 जून को तब हुआ। जब पति का शव बरामद हुआ। रतिराम के भाई अरविंद ने रीना और हनीफ पर ही हत्या का आरोप लगाया। तब से ही पुलिस रीना और हनीफ की तलाश में जुट गई थी। अब सोमवार को पटियाली कोतवाली पुलिस के साथ एसओजी और सर्विलांस की टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को दरियागंज रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है। हनीफ की खून से सनी टी-शर्ट बरामद कर ली गई है। अब दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कूड़ा गाड़ी में बैठकर घूमे मंत्री...देखी डोर टू डोर व्यवस्था, बोले– गेंबा वॉक की मदद से समस्याओं को समझा

आर्यावर्त संवाददाता

कन्नौज। न कोई प्रोटोकाल, न भीड़ और न कोई व्यवस्था। कोई जान भी नहीं पाया कि प्रदेश सरकार का मंत्री कूड़ा गाड़ी में बैठकर शहर में घूम रहा है। यह कोई पब्लिसिटी स्टंट नहीं था, बल्कि जापान की गेंबा वॉक की तर्ज पर किया जा रहा प्रयोग था। इसके माध्यम से देखा गया कि स्वच्छता अभियान के प्रति लोग कितने जागरूक हैं। यह भी देखा गया कि डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाले किस तरह से काम करते हैं।

प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने रविवार को जापान की गेंबा वॉक पद्धति के आधार पर शहर की कूड़ा गाड़ी में भ्रमण किया। इस दौरान वह मास्क लगाए रहे, जिससे लोग उन्हें पहचान न सकें। मोहल्लों में जाकर उन्होंने नागरिकों से बात की और कूड़ा उठाने वाले कर्मयोगियों के कार्य व्यवहार की समीक्षा की।

मंत्री बोले- पुलिस की नौकरी में कई बार ऐसा करके देखा है

इसके बाद में उसके वीडियो के साथ अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा किया। मंत्री ने बताया कि जापान में एक मैनेजमेंट प्रक्रिया विकसित की गई है, जिसे गेंबा वॉक कहा जाता है। इसका मतलब यह है कि ऐसे लोग जो मैनेजमेंट में हैं। फैक्टरी फ्लोर पर जाकर कामगारों के साथ खड़े होते हैं, बातचीत करते हैं और सुधार के रास्ते खोलते हैं। उन्होंने पुलिस की नौकरी में कई बार ऐसा करके देखा है।

गेंबा वॉक की मदद से व्यवस्था को समझा

कई दिनों के प्रशिक्षण की तुलना में दो घंटे में समस्याओं और उनके उपाय का बोध हो गया। इसी उद्देश्य के लिए उन्होंने इत्रनगरी में कूड़ा उठाने वाले कर्मयोगियों के काम को गेंबा वॉक की मदद से गंभीरता और गहराई से समझा। गौतम और विकास के साथ पहचान छिपाकर सुबह की शिफ्ट में मोहल्ले में घूम कर अध्ययन किया, जिससे आनंद की भी अनुभूति हुई।

जेलर जितेंद्र प्रताप तिवारी का अधीक्षक पद पर प्रमोशन, जेल प्रशासन और शुभचिंतकों में खुशी की लहर

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। डिप्टी जेलर पद से 1998 मे नौकरी की शुरुआत करने वाले जेलर जितेन्द्र प्रताप तिवारी का अधीक्षक पद पर शासन द्वारा पदोन्नति की गई है। बीती 30 जून को शासन द्वारा जारी की गई सूची मे जेलर जितेन्द्र प्रताप तिवारी का नाम भी शामिल है। बताते चले कि जेलर से अधीक्षक पद पर पदोन्नति पाने वाले श्री तिवारी ने 1998 से जिला कारागार गाजीपुर से डिप्टी जेलर के रुप मे अपनी नौकरी की शुरुआत की। और वर्ष 2017 मे श्री तिवारी जेलर पद पर पदोन्नति पाये। श्री तिवारी उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण जेलो मे अपनी सेवा दे चुके है। जिला कारागार लखनऊ, सीतापुर, मुरादाबाद, ललितपुर, फतेहपुर, नोएड़ा के बाद बाराबंकी जिला कारागार मे जेलर के रुप मे तैनात हुये। और यही पर तैनाती अवधि मे श्री तिवारी को अधीक्षक पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई है। जिसके बाद अधिवक्ता सरदार भूपिंदर पाल सिंह सहित समाजसेवियो, बुद्धिजीवियो एंव जेलकर्मियो द्वारा बूके देकर पदोन्नति की बधाई दी गई है।

समाजवादी पार्टी में उठे असंतोष के सुर, मनीष यादव ने खुद पार्टी नेतृत्व पर साधा निशाना

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। दांदरपुर कथावाचक प्रकरण को लेकर मचा सियासी बवाल अब समाजवादी पार्टी के अंदर भी दरारें पैदा करने लगा है। पार्टी के ही वरिष्ठ नेता और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनीष यादव ने समाजवादी पार्टी की नीतियों, नेतृत्व और जातिगत प्राथमिकताओं को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है।

मनीष यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि समाजवादी पार्टी अब सिर्फ एक वर्ग-विशेष की राजनीति में उलझकर रह गई है। उन्होंने सीधे तौर पर अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि सिर्फ यादव समाज को खुश करने की राजनीति करके ब्राह्मण समाज को नाराज करना उचित नहीं है। नेताजी मुलायम सिंह यादव ने कभी ऐसा भेदभाव नहीं किया, वो सही मायनों में सर्व समाज के नेता थे।

मनीष यादव ने साधा निशाना

मनीष यादव नेकथावाचकों से जुड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस को शर्मनाक करार देते हुए कहा कि लखनऊ में पीड़ित कथावाचकों को मंच पर बुलाकर उनसे तबला बजवाना और गीत गवाना बेहद असंवेदनशील हरकत थी। ऐसा लग रहा था जैसे पीड़ितों की पीड़ा को तमाशा बना दिया गया हो। ये समाजवाद का स्वरूप नहीं, बल्कि भावनाओं का अपमान है।

"पार्टी ने पल्ला झाड़ लिया"

मनीष यादव ने पार्टी नेतृत्व की ओर से आंदोलन से किनारा करने पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब सोशल मीडिया पर आंदोलन की घोषणा की जा रही थी, तब पार्टी को स्पष्ट करना चाहिए था कि समाजवादी पार्टी का इससे कोई संबंध नहीं है। लेकिन जब कार्यकर्ता गिरफ्तार होने लगे, तब पार्टी ने पल्ला झाड़ लिया। गगन यादव जैसे सपा के पुराने कार्यकर्ता आज अकेले खड़े हैं, जबकि उन्होंने पार्टी के लिए कई बार मैदान में मेहनत की है।

पीडीए जैसे नारों पर कसा तंज

उन्होंने पार्टी को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बताते हुए कहा कि आज पार्टी में सिर्फ एक ही व्यक्ति (अखिलेश यादव) की चल रही है, जबकि राजनीति सर्व समाज को साथ लेकर चलने से ही सफल होती है। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) जैसे नारों पर भी तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे नारे सिर्फ शब्दों का खेल हैं, जिनका कोई स्थायी अर्थ नहीं होता। अखिलेश यादव को चाहिए कि वो जातियों की राजनीति से ऊपर उठकर सभी वर्गों को साथ लें।

इसी के साथ आजम खां के मामले में भी उन्होंने पार्टी की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि आजम खां पर झूठे मुकदमे लगाए गए, जेल भेजा गया, लेकिन पार्टी ने उतनी मजबूती से उनका पक्ष नहीं रखा, जितना नेताजी के समय में रखा जाता था। उनकी पत्नी का यह कहना है कि पार्टी ने साथ नहीं दिया, बिल्कुल सही है।

मनीष यादव वर्तमान में समाजवादी पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश सदस्य हैं और जसवंतनगर विधानसभा के प्रभारी भी हैं। बीते लोकसभा चुनाव में उन्हें एटा लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया था, जहां से पार्टी उम्मीदवार देवेश शाक्य ने जीत दर्ज की। पार्टी के अंदर से उठी यह आवाज आने वाले समय में सपा के लिए बड़ा राजनीतिक संकेत मानी जा रही है।

स्व. सुधीर सिंह सिद्धू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, भाजपा नेताओं ने किया नमन

बाराबंकी। जनपद के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व जिला अध्यक्ष स्व. सुधीर कुमार सिंह 'सिद्धू' की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक सभागार में किया गया। कार्यक्रम में उनके पुत्र जयदीप सिंह व गुरदीप सिंह ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष अरविंद मौर्या ने की। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ नेताओं ने सिद्धू भाई को याद करते हुए उनके संस्मरण साझा किए और भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कोल्ड ड्रिंक पीते ही बंद हुईं युवक की आंखें, फिर किन्नरों ने युवक के साथ की बर्बरता, पहुंचा अस्पताल

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां पटवाई क्षेत्र के एक शादीशुदा युवक का किन्नरों ने नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर उसका प्राइवेट पार्ट काट दिया। पीड़ित एक डांसर भी है, जोकि इलाके में आयोजित कार्यक्रमों में जाकर अपनी प्रस्तुतियां देता था। घटना के बाद युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं, पीड़ित युवक के घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं, यह मामला पुलिस के संज्ञान में आया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पीड़ित युवक ने बताई आपबीती

पीड़ित युवक के मुताबिक, वह एक कार्यक्रम में बदायूं के बिसौली जा रहा था। इसी बीच, शाहाबाद में दो किन्नर मिले। किन्नरों के साथ तीन और लोग भी थे। पीड़ित पांचों को पहले से जानता था। पहले तो किन्नर किसी बात पर पीड़ित युवक से बहस करने लगे, फिर जबरन उसे शाहबाद क्षेत्र के ही एक गांव में ले गए।

पीड़ित युवक का आरोप है कि गांव में ले जाकर पांचों ने उसे कोल्ड ड्रिंक पिलाई। कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद उसकी आंखें बंद होने लगीं। थोड़ी ही देर में वह बेसुध हो गया। जब उसे होश आया तो उसे दर्द महसूस हो रहा था। उसके प्राइवेट पार्ट को काट दिया गया था।

वहीं, इस घटना की सूचना किसी ने परिवार को दे दी। तत्काल परिवार के कुछ सदस्य मौके पर पहुंचे और युवक को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टर ने युवक का प्राथमिक उपचार किया और हायर सेंटर रेफर कर दिया।

क्या बोले पुलिस अधिकारी?

इस घटना पर थाना प्रभारी ने बताया कि अभी युवक की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। युवक को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो चोर गिरफ्तार, कब्जे से, चार ट्रान्सफार्मर, तीन कुन्तल 10 किलोग्राम तांबे का तार, आदि बरामद

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने तथा जनपद में हुई चोरी लूट की घटनाओं का शीघ्र अनावरण करने समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया। इसी क्रम में थाना देवा पुलिस टीम द्वारा गश्त चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों 1.शिवकमल पुत्र रामलखन निवासी ग्राम अड़ौरा थाना देवा जनपद, 2.कृष्ण गोपाल पुत्र अरुण कुमार निवासी ग्राम पकडी शुक्ल थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर को कुर्सी रोड नहर पुल कस्बा देवा से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से 01 अदद पिकप वाहन, चार ट्रान्सफार्मर, तीन कुन्तल दस किलोग्राम तांबे का तार, प्लास्टिक की कटी हुई केबिल बरामद कर अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना देवा में मु0अ0सं0 370/2025 धारा 317(2)/317(4) बीएनएस

हाई स्पीड में आई कार, लोगों को कुचलते हुए हाईवे से होटल में घुसी

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ के बाबूगढ़ में एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर एक होटल में जा घुसी। यह हादसा नेशनल हाईवे NH-9 पर स्थित राजा जी हवेली होटल के पास सोमवार देर रात हुआ। इस हादसे में चार लोग कार चपेट में आ गए, जिनमे से एक युवक की मौत हो गई।

हादसे में अजीत नामक युवक, जो बुलंदशहर का निवासी था, उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी पहचान संदीप पुत्र गोपीचंद निवासी खुडाना, जिला झुंझुनू (राजस्थान) उम्र 37 वर्ष और सुरेंद्र पुत्र नामालूम निवासी के रूप में हुई है। वहीं, एक अन्य को हल्की चोटें आई हैं। घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कार ने लोगों को कुचला

घटना के वक्त होटल में बड़ी संख्या में लोग खाना खा रहे थे, जिससे अचानक मची भगदड़ से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कार इतनी तेजी से होटल में घुसी कि बिल्डिंग का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कार बेकाबू हालत में सीधी होटल की ओर बढ़ी और लोगों को जोरदार टक्कर मारते हुए दीवार से जा टकराई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मृतक अजीत के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिखेड़ा के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि घटना की पूरी जांच की जा रही है और जल्द ही दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजन को सूचना भेज दी गई है। कार पर मौजूद नंबर प्लेट के आधार पर गाड़ी के मालिक का पता लगाया जा रहा है। इस संबंध में होटल के कर्मचारियों से भी जानकारी ली गई है।

कांवड़ यात्रा के लिए फाइनल हो गया रूट, ट्रैफिक डायवर्जन का प्लान भी जारी, कब से होगा लागू?

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। इस वर्ष सावन मास की शुरुआत 11 जुलाई से हो रही है। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने यातायात को व्यवस्थित करने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एक विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया है, जो यात्रा को सुचारु रूप से संचालित करने में सहायता करेगा। सावन में लाखों की संख्या में कांवड़िये ब्रजघाट से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करेंगे।

11 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान मुरादाबाद में हर शुक्रवार से सोमवार तक भारी और हल्के वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा हर रविवार सुबह 8 बजे से सोमवार रात 8 बजे तक जीप, कार, पिकअप जैसे हल्के वाहनों की आवाजाही पर भी रोक रहेगी।

दिल्ली-मुरादाबाद मार्ग पर रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन

कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली-मुरादाबाद मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा, ताकि कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो। एसएसपी सतपाल अंतिल ने कांवड़ यात्रा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि थानों में दर्ज त्योहार रजिस्टर के आधार पर सभी व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया जा चुका है।

कांवड़ मार्गों पर सभी व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

एसएसपी ने बताया कि इंटेलिजेंस रिपोर्ट का भी सावधानीपूर्वक अवलोकन किया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में ड्यूटी नियुक्त कर दी है और मुरादाबाद जिले में कांवड़ मार्गों पर सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया है। कांवड़ यात्रा से संबंधित सभी प्रकार की व्यवस्थाओं में यदि किसी सुधार की आवश्यकता नजर आ रही है, तो संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर उसे तत्काल ठीक किया जा रहा है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी मुरादाबाद द्वारा निरंतर निरीक्षण के माध्यम से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके अलावा, पुलिस प्रशासन ने कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने का निर्णय लिया है।

सभी जरूरी सेवाओं को सुनिश्चित किया जा रहा

यात्रा के दौरान चिकित्सा सुविधाएं, पेयजल की व्यवस्था और अन्य आवश्यक सेवाओं को भी सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह है कि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो, और सभी श्रद्धालु अपने धार्मिक अनुष्ठानों को सुरक्षित रूप से पूरा कर सकें।

सावन मास में कुल चार सोमवार

इस वर्ष सावन मास में कुल चार सोमवार और एक शिवरात्रि का पर्व शामिल है, जो कांवड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। बरेली, संभल, चंदौसी, अमरोहा, मुरादाबाद और रामपुर जैसे जिलों के श्रद्धालु हरिद्वार, गोमुख, गंगोत्री और गढ़ ब्रजघाट जैसे पवित्र स्थानों से गंगाजल भरकर अपने निकटवर्ती शिव मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे।

1 जुलाई से प्रारंभ होगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। डीएम पवन अग्रवाल द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान की अंतरविभागीय बैठक कर सभी अधिकारियों को अपने विभाग की गतिविधियों के बेहतर आयोजन के संबंध में निर्देश प्रदान किया जा चुके हैं। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत 11 विभागों चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, कृषि एवं सिंचाई विभाग, उद्यान विभाग, पंचायती राज/ग्राम्य विकास विभाग, पशुपालन विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, और शिक्षा विभाग द्वारा स्वच्छता एवं जागरूकता संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएगी ।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर वेक्टर जनित रोग से बचाव के तरीकों की जानकारी प्रदान

की जाएगी। पंचायती राज विभाग एवं नगर निकायों द्वारा ग्राम पंचायत एवं वार्डों में साफ सफाई का विशेष अभियान चलाया जाएगा एवं फागिंग आदि की कार्रवाई की जाएगी।

सभी विद्यालयों में हैंड वॉश एवं अन्य स्वच्छता संबंधी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

कृषि विभाग एवं उद्यान विभाग द्वारा भी झाड़ियां की साफ सफाई आदि की जाएगी।

1 अप्रैल को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ विधायक सदर पल्टूराम द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से किया जाएगा।

घर की सफाई करते समय न करें ये गलतियां, समय के साथ पैसा भी होगा बर्बाद

घर की सफाई सिर्फ सिर्फ साफ-सुथरे माहौल के लिए ही नहीं, बल्कि अच्छी सेहत, मानसिक शांति और पॉजिटिव एनर्जी के लिए बहुत जरूरी होती है। इसलिए अगर सही तकनीक, समय और कुछ आसान ट्रिक्स को अपनाए जाएं, तो यह आपके लिए आसान हो जाता है। लेकिन इस दौरान कई गई गलतियां काम बढ़ा भी देती है। इसलिए इन गलतियों को करने से बचें।

अपने घर को साफ रखना हर कोई चाहता है। रूम से लेकर किचन हर जगह पर सामान अपनी जगह पर हो और बिखरा हुआ न हो। लेकिन आजकल बिजी लाइफस्टाइल के चलते हर किसी को घर की सही से साफ-सफाई करने का मौका नहीं मिलता है। वहीं कई लोग इसके लिए शोर्ट-कट अपनाते हैं। लेकिन घर की सफाई एक ऐसा काम है, जो हम रोजाना करते हैं। लेकिन इसके बाद भी कई बार हम कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे हमारा समय और मेहनत दोनों ही खराब होते हैं। आइए जानते हैं घर की सफाई से जुड़ी कुछ ऐसी गलतियां जिन्हें हमें करने से बचना चाहिए।

गंदे कपड़े और झाड़ू से सफाई करना

घर की सफाई के लिए कई लोग पुराने, गंदे और मैले कपड़ों का बार-बार उपयोग करते हैं। एक ही झाड़ू और पोछे को महीनों तक चलाते हैं। लेकिन इसे बैक्टीरिया और कीटाणु घर में फैल सकते हैं। इसलिए सफाई के लिए उपयोग किए जाने वाले कपड़ों को नियमित रूप से धोएं और सूखा कर रखें। साथ ही झाड़ू और पोछे को नियमित रूप से बदलते रहना भी सही रहेगा।

टीवी, मोबाइल, पंखे, स्विच बोर्ड और लैपटॉप जैसी इलेक्ट्रॉनिक चीजों का सफाई रोजाना नहीं करते हैं। लेकिन इससे धूल-मिट्टी उनपर जम जाती है और लंबे समय तक धूल जमने के कारण उसकी परफॉर्मेंस पर भी असर पड़ता है। इलेक्ट्रॉनिक सामान को हफ्ते में एक बार सूखे कपड़े या माइक्रोफाइबर कपड़े से साफ करना ज्यादा सही रहेगा।

जरूरत से ज्यादा क्लीनिंग प्रोडक्ट इस्तेमाल करना

कई लोग क्लीनिंग प्रोडक्ट का उपयोग एक ही समय पर बहुत ज्यादा करते हैं, सोचते हैं कि इससे सफाई बेहतर हो जाएगी। लेकिन इससे सतह पर रसायनों की परत जम सकती है, जिससे धूल और गंदगी ज्यादा चिपक सकती है। इसके अलावा महंगे प्रोडक्ट्स जल्दी खत्म हो जाते हैं, जिससे पैसों की बर्बादी होती है। इसलिए प्रोडक्ट का सही मात्रा में उपयोग करें और मैन्युफैक्चरर के निर्देशों का पालन करें।

सही रूटीन न बनाना

साफ-सफाई समय पर करनी चाहिए। इसके साथ ही एक रूटीन बनाना चाहिए। हम झाड़ू-पोछा तो रोज करते हैं। लेकिन इसके अलावा रोजाना डस्टिंग करनी चाहिए। इसके साथ ही हर हफ्ते में एक दिन किचन क्लीनिंग, फिर दूसरी बार बाथरूम सही से क्लीन करना। इस तरह आपका घर हमेशा साफ रहेगा और फेस्टिवल पर सफाई के लिए ज्यादा अलग मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हर दिन थोड़ी-थोड़ी सफाई करें, तो डीप क्लीनिंग की जरूरत कम पड़ेगी और घर हमेशा चमकता रहेगा।

हर महीना डीप क्लीनिंग करना

इसके साथ ही महीने में एक पाद पर्दे धोना। अलमारियाँ री-ऑर्गनाइज करना, बाथरूम के कोनों की सफाई करना, किचन की एग्जॉस्ट और टाइल्स साफ करना। 15 दिन या फिर महीने में 1 बार फर्नीचर को थोड़ा खिसका कर नीचे की जगह साफ करना। क्योंकि वहां अक्सर मकड़ी के जाले और धूल छुपी होती है।

मानसून के दौरान घुंघराले बालों को उलझन से बचाने के लिए अपनाएं ये तरीके

मानसून के मौसम में घुंघराले बालों में उलझन की समस्या बढ़ जाती है। बारिश और नमी के कारण बालों की प्राकृतिक नमी कम हो जाती है, जिससे वे उलझ जाते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ प्राकृतिक उपाय बताएंगे, जिनसे आप अपने घुंघराले बालों को उलझन से बचा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप मानसून के दौरान अपने बालों की देखभाल कर सकते हैं।

नारियल के तेल से करें सिर की मालिश

नारियल का तेल बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों को पोषण देता है और उनकी नमी बनाए रखता है। मानसून के दौरान नियमित रूप से नारियल के तेल से सिर की मालिश करें। इससे बाल मुलायम बने रहते हैं और उनमें उलझन की समस्या कम होती है। इसके अलावा नारियल का तेल बालों की जड़ों को मजबूत करता है और उन्हें टूटने से बचाता है। सप्ताह में दो बार नारियल के तेल से मालिश करें।

एवोकाडो और शहद का मिश्रण लगाएं

एवोकाडो में वो तत्व होते हैं जो बालों की वृद्धि के लिए जरूरी होते हैं। शहद प्राकृतिक नमी देने वाला होता है जो बालों को नमी प्रदान करता है। इन दोनों को मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और इसे अपने सिर पर लगाएं। 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपके बाल मुलायम, चमकदार और स्वस्थ रहेंगे। यह मास्क बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचाता है और उन्हें टूटने से बचाता है।

एलोवेरा जेल और नींबू का रस लगाएं

एलोवेरा जेल त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं, जो बालों को ठंडक पहुंचाते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं। नींबू का रस विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो बालों की मजबूती बढ़ाता है। दोनों को मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें और इसे अपने सिर पर लगाएं। 15 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपके बाल मुलायम, चमकदार और स्वस्थ रहेंगे।

गुनगुने पानी से धोएं सिर

मानसून में बाल धोने के लिए ठंडा पानी न इस्तेमाल करें क्योंकि इससे बाल कमजोर हो सकते हैं। इसके बजाय गुनगुने पानी का उपयोग करें, जिससे बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचता है और वे टूटने से बचते हैं। इन प्राकृतिक उपायों को अपनाकर आप मानसून के दौरान अपने घुंघराले बालों को उलझन से मुक्त रख सकते हैं और उन्हें स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

बच्चों को गलती से भी इन 3 टाइम पर न डांटें, पड़ता है बुरा असर

अब तक धीरे-धीरे पेरेंटिंग के तरीके में भी काफी बदलाव आया है, क्योंकि आज के टाइम में कंपटीशन का दौर है और बचपन से ही बच्चों पर काफी बोझ बढ़ जाता है। ऐसे में पेरेंट्स को अपने बिहेवियर पर खासतौर पर ध्यान देना पड़ता है।

बच्चों का मन काफी कोमल होता है, ऐसे में थोड़ी सी भी सख्ती कई बार उन पर गहरा असर करती है। आज के बदलते लाइफस्टाइल और स्टेटस पसंद वर्ल्ड में ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत होती है, क्योंकि हर एक छोटी चीज बच्चे को इफेक्ट करती है। कई ऐसे मामले देखने को मिलते हैं। जहां पहले के टाइम में पेरेंट्स का बच्चों को मारना और डांटना काफी नॉर्मल होता था तो वहीं आज के टाइम में ऐसा नहीं है। दरअस अब बच्चों पर आगे बढ़ने का प्रेशर भी पहले के मुकाबले काफी ज्यादा हो गया है तो पेरेंटिंग के तरीकों में भी चेंज आना स्वाभाविक है। न्यू टाइम पेरेंटिंग कहती है कि जितना हो सके बच्चे को प्यार से ही समझाने की कोशिश करनी चाहिए और उन्हें मारने या उनके साथ ज्यादा सख्ती से पेश आने से बचना चाहिए। फिलहाल इस आर्टिकल में हम जानेंगे ऐसे तीन वो कौन से टाइम हैं जब बच्चों को डांटना नहीं चाहिए।

बच्चों को अगर स्ट्रेस हो तो उनकी शारीरिक ग्रोथ में रुकावट आने के साथ ही सोचने-समझने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वह चिड़चिड़े हो सकते हैं और अपनी बातें शेयर करने से कतराने की वजह से तनाव, एंग्जायटी जैसी समस्याओं से घिर सकते हैं। चलिए जान लेते हैं उन 3 टाइम के बारे में जब बच्चों को डांटने से उन पर ज्यादा बुरा असर होता है।

सुबह उठने पर न डांटे

मॉर्निंग में जागने के बाद बड़ों का भी कई बार मन नहीं होता है कि वो किसी से बात करें। सुबह की शुरुआत हमारे पूरे दिन के मूड पर असर डालती है, इसलिए सुबह का टाइम शांति और खुशियों भरा होना चाहिए। सुबह स्कूल की जल्दी में लोग बच्चों को जबरदस्ती उठाते हैं और इस दौरान कई बार उसपर झल्ला जाते हैं, लेकिन ये टाइम सबसे जरूरी होता है, जब आप बच्चे को प्यार से ट्रीट करें।

स्कूल से आने के बाद न डांटे

बच्चा जब स्कूल से आता है तो बहुत सारे पेरेंट्स की आदत होती है कि वह तुरंत सवाल करना शुरू कर देते हैं कि आज स्कूल में क्या पढ़ा, क्या काम मिला जैसी चीजें, लेकिन इस तरह के सवाल या फिर डांट बच्चे को परेशान कर सकते हैं, क्योंकि वह उस वक्त काफी थका हुआ होता है। स्कूल से आने के बाद बच्चे को चेंज करवाने के बाद हेल्दी फूड्स और पानी पीने के देना चाहिए।

रात को सोते वक्त न डांटें

नींद बहुत बड़ा फैक्टर है बच्चे के विकास में। अगर आपका बच्चा देर रात तक जागता है या फिर वह सोते वक्त स्ट्रेस में रहता है तो उसके शारीरिक और मानसिक विकास पर असर पड़ सकता है, इसलिए हमेशा बच्चे को प्यार से सुलाना चाहिए और इस वक्त डांटने की गलती बिल्कुल भी नहीं करें।

दांतों में लगवाएं हैं ब्रेसेस तो ऐसे करें देखभाल, नहीं तो होगी परेशानी

दांतों को सीधा करने से लेकर गैप को भरने और स्माइल को बेहतर बनाने के लिए ब्रेसेस लगवाना एक कॉमन डेंटल प्रोसेस है जो काफी पहले से लोग करवाते रहे हैं। इसे एक समय तक के लिए लगाया जाता है, जिससे दांतों पर धीरे-धीरे प्रेशर पड़ता है और बनावट सही होने लगती है। बहुत सारे लोग ओरल हेल्थ को सही बनाए रखने के लिए भी ब्रेसेस लगवाते हैं, लेकिन आज के टाइम में ट्रांसपेरेंट ब्रेसेस लगवाना काफी ज्यादा पॉपुलर हो रहा है। हालांकि चाहे आप मेटल के ब्रेसेस लगवाएं या फिर ट्रांसपेरेंट वाले, दोनों में ही आपको काफी केयर करने की जरूरत होती है। एक बार जब ब्रेसेस लग जाते हैं तो यह जानने के लिए कि सब कुछ ही जा रहा है या फिर नहीं आपको नियमित जांच करवाने की जरूरत होती है, लेकिन इसके अलावा भी डेली रूटीन में आपको कुछ छोटी बातों को ध्यान में रखने की आवश्यकता होती है।

शुरुआती दिनों में जब आप ब्रेसेस लगवाते या पहनते हैं तो इससे आपको बोलने और खाने-पीने में थोड़ी सी असुविधा हो सकती है, लेकिन कुछ दिनों में इसकी आदत हो जाती है। दातों को सही जगह तक ढलने में इसमें लंबा टाइम लगता है और इस दौरान अगर आप सावधानियां नहीं बरतते हैं तो उचित परिणाम नहीं मिलते हैं और कुछ समस्याएं भी हो सकती है। चलिए जान लेते हैं कि ब्रेसेस लगवाने के बाद दांतों का ख्याल कैसे रखें।

खानपान में रखें ये ध्यान

ट्रांसपेरेंट ब्रेसेस पहने हैं तो टमाटर, कलर छोड़ने वाली बेरीज, और फूड कलर वाली चीजें खाने से बचना चाहिए, नहीं तो ब्रेसेस में दाग बन सकते हैं जो देखने में काफी खराब लगते हैं। इसके अलावा कॉफी, रेड वाइन, चाय, कोला जैसी ड्रिंक्स भी पीने से बचें। मेटल वाले ब्रेसेस लगवाए हैं तो इसमें भी वो चीजें नहीं खानी चाहिए, जिससे दांतों के गंदे होने की संभावना ज्यादा हो। चिपचिपी कैंडी से लेकर सख्त शेल वाली चीजें खाने से बचना चाहिए।

ओरल हाइजीन का रखें ध्यान

ब्रेसेस पहने हैं या फिर लगवाएं हैं तो ओरल हाइजीन का खास ध्यान रखें, रोजाना नियमित रूप से ब्रश और फ्लॉस करें, टंग क्लीनिंग भी करें। डेली रूटीन में माउथ क्लीनर आदि का यूज करें। इससे बैक्टीरिया नहीं पनपेंगे और कैविटी होने का डर कम रहेगा, क्योंकि ब्रेसेस लगे हैं और कैविटी हो तो काफी दिक्कत होती है।

ब्रेसेस की सफाई का रखें ध्यान

ट्रांसपेरेंट ब्रेसेस पहनते हैं तो रोजाना इसकी सफाई करें। डॉक्टर ने जो क्लीनिंग के लिए प्रोडक्ट बताए हो उसका इस्तेमाल करें। मेटल के ब्रेसेस हैं तो इंटरडेंटल टूथब्रश का यूज करें ताकि तार के बीच जो खाने के कण फंसे हो वो निकल जाएं।

एक्टिविटी करते हुए रखें ध्यान

फिजिकल एक्टिविटी के दौरान भी काफी ध्यान रखने की जरूरत होती है। वर्कआउट कर रहे हैं या फिर कोई आउटडोर गेम एक्टिविटी आदि कर रहे हैं तो ज्यादा सावधानी बरतें। जरा सी भी रगड़ लगने या टकराने से न सिर्फ ब्रेसेस को नुकसान हो सकता है, बल्कि आपको होंठों और मसूड़ों में चोट लग सकती है।

इस स्थिति में डॉक्टर से मिलें

ब्रेसेस लगवाए हुए लंबा समय हो गया है और इस वजह से कोई तार टूट रहा है या फिर ब्रैकेट ढीला हो गया हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ब्रेसेस की वजह से असुविधा महसूस हो रही हो या फिर दर्द हो रहा है तो भी डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

कितना बड़ा है भारत का हेल्थकेयर सेक्टर, कोविड के बाद ऐसे बढ़ रही रफ्तार

भारत का हेल्थकेयर सेक्टर बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसमें कई बड़ी चुनौतियां भी हैं। Statista की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार हेल्थ परअभी भी विकासशील देशों की तुलना में कम खर्च करती है। इसकी वजह से लोग ज़्यादातर निजी अस्पतालों पर ही निर्भर हो गए हैं।

भारत का हेल्थकेयर सेक्टर आज देश की अर्थव्यवस्था का एक बहुत बड़ा हिस्सा बन चुका है और दुनिया में भी इसकी अपनी अलग पहचान बन रही है। कोविड-19 के बाद इस सेक्टर में जो तेजी आई है, उसने सिर्फ हेल्थ सेवाओं का ढांचा ही नहीं बदला, बल्कि सरकारी और निजी निवेश को भी नया मुकाम दिया है। 2022 के आंकड़ों के मुताबिक, भारत का हेल्थकेयर सेक्टर 372 बिलियन डॉलर का था और माना जा रहा है कि ये 2025 तक बढ़कर 638 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। 2024 में इसका साइज लगभग 400 बिलियन डॉलर से अधिक था और ये हर साल करीब 22% की रफ्तार से बढ़ रहा है।

कोविड के बाद हेल्थ सेक्टर में बड़ा बदलाव

कोविड-19 महामारी ने भारत के हेल्थकेयर सिस्टम को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इसने लोगों और सरकार दोनों की नजर में स्वास्थ्य सेवाओं की अहमियत बढ़ा दी। उसके बाद सरकार ने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने, टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड्स जैसी नई सुविधाओं को लागू करने के लिए जोरदार कदम उठाए। IBEF के मुताबिक, 2023 में भारत का हेल्थकेयर सेक्टर अस्पताल, डायग्नोस्टिक्स, मेडिकल डिवाइसेज और टेलीमेडिसिन समेत कुल 372 बिलियन डॉलर का था। इसी दौरान मेडिकल टूरिज्म यानी इलाज के लिए विदेशों से आने वाले मरीजों की संख्या भी काफी बढ़ी। 2023 में करीब 6.34 लाख विदेशी भारत में इलाज के लिए आए, जो हमारे कुल अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का लगभग 6.87% था। 2024 में भारत का मेडिकल टूरिज्म मार्केट लगभग 7.69 बिलियन डॉलर का था, और माना जा रहा है कि 2029 तक ये बढ़कर 14.31 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

फार्मा इंडस्ट्री में जोरदार बढ़ोतरी

भारत की फार्मा और बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री तेजी से दुनिया में अपनी पकड़ मज़बूत कर रही है। फार्मा सेक्टर का लक्ष्य है कि वो 2030 तक 130 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाए, जबकि बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर 2025 तक 150 बिलियन और 2030 तक 300 बिलियन डॉलर का हो सकता है। EY की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत जरूरी दवाइयों की उपलब्धता और सस्ते स्वास्थ्य समाधान देकर दुनिया की फार्मा इंडस्ट्री में एक अहम खिलाड़ी बन चुका है।

हेल्थ सेक्टर में रोजगार का बड़ा बढ़ावा

रोजगार के मामले में भी हेल्थ सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभा रहा है। IBEF के मुताबिक, 2024 में इस सेक्टर ने करीब 7.5 मिलियन लोगों को नौकरी दी है और 2030 तक इसमें 10 मिलियन से अधिक नई नौकरियों के जुड़ने की उम्मीद है। सरकार भी इस सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए काफ़ी एक्टिव है। जैसे कि आयुष्मान भारत योजना, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी पब्लिक हेल्थ इंश्योरेंस योजना माना जाता है, इसका मकसद है देश के सभी लोगों को हेल्थ सुरक्षा देना। साथ ही, नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन (NDHM) के तहत डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड, टेलीमेडिसिन और बीमा जैसी सुविधाएं डिजिटल तरीके से भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सरकारी अस्पतालों में सुधार की जरूरत

हालांकि भारत का हेल्थकेयर सेक्टर बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसमें कई बड़ी चुनौतियाँ भी हैं। Statista की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार हेल्थ परअभी भी विकासशील देशों की तुलना में कम खर्च करती है। इसकी वजह से लोग ज़्यादातर निजी अस्पतालों पर ही निर्भर हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में 65% इलाज प्राइवेट हॉस्पिटल्स में हुआ, जबकि सरकारी अस्पतालों में सिर्फ 35% मरीजों का इलाज हुआ। इतना ही नहीं, 1.42 अरब लोगों के देश में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की बहुत कमी है। Knight Frank की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत को अपनी ज़रूरतें पूरी करने के लिए करीब 2 अरब स्क्वायर फीट नई स्वास्थ्य सुविधाओं की ज़रूरत है। लेकिन जहां चुनौतियाँ होती हैं, वहां मौके भी होते हैं। यही हाल मेडिकल फील्ड में भी है। खासतौर पर मेडिकल डिवाइस सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं, जिसका बाज़ार अगले कुछ सालों तक 50 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

मॉनसून ने बिगाड़ा कूलिंग प्रोडक्ट्स का गेम, लोगों की नौकरी पर लटकी तलवार

मॉनसून ने गर्मी की सेल को बुरी तरीके से प्रभावित किया है। कूलर, एसी से लेकर खाने की आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक की बिक्री में कमी आई है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों की नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है।

मुंबई, एजेंसी। इस बार मॉनसून के जल्दी आने से कूलिंग प्रोडक्ट्स की बिक्री पर भारी असर पड़ा है. एयर कंडीशनर, फ्रिज, आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक्स जैसे उत्पादों की बिक्री में भारी गिरावट देखी गई है। इससे इस उद्योग से जुड़े लोगों की नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है।

अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में एसी की बिक्री पिछले साल की तुलना में 30-35% घटी, जबकि फ्रिज की बिक्री 12-15% कम हुई। यह पिछले एक दशक से भी अधिक समय में कूलिंग प्रोडक्ट्स के लिए सबसे खराब गर्मी का मौसम रहा। बार-बार बारिश और सामान्य से कम तापमान ने गर्मी के मौसम में बिक्री को बुरी तरह प्रभावित किया। पिछले साल 2024 में गर्मी के कारण एसी की बिक्री में 55% की उछाल आई थी, लेकिन इस साल मौसम ने साथ नहीं दिया।

डिमांड में आई कमी

आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक्स की बिक्री भी पिछले साल की तुलना में कम रही। बिजोम के आंकड़ों के मुताबिक, जून की पहली छमाही में पेय पदार्थों की बिक्री 9% घटी, जबकि पिछले साल मई-जून में 22-24% की वृद्धि हुई थी। आइसक्रीम की मांग भी इस साल जून तिमाही में केवल 3-7% बढ़ी, जो पिछले साल के 17-26% के मुकाबले काफी कम है।

नौकरी पर असर

इस गिरावट का असर रोजगार पर भी पड़ा है। गर्मी के मौसम में अस्थायी नौकरियों की संख्या में 30% तक की कमी आई है, खासकर कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ई-कॉमर्स और रिटेल जैसे क्षेत्रों में जॉब में कमी आई है। स्टाफिंग फर्म एडको इंडिया के मुताबिक, इस साल गर्मी में अस्थायी नौकरियों की बढ़ोतरी न के बराबर रही। वोल्टास के प्रबंध निदेशक प्रदीप बक्शी ने कहा कि एसी की बिक्री में भारी कमी आई है, जिसके चलते कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है और डीलरों के पास स्टॉक जमा हो गया है।

हालांकि, कुछ ब्रांड जैसे अमूल ने अपनी रणनीति और विस्तार के दम पर आइसक्रीम की बिक्री में मामूली बढ़ोतरी हासिल की। लेकिन कुल मिलाकर, मॉनसून की अनियमितता और ठंडे मौसम ने कूलिंग प्रोडक्ट्स के बाजार को झटका दिया है, जिससे उद्योग और रोजगार दोनों प्रभावित हुए हैं।

पीएम मोदी की 5 देशों की विदेश यात्रा से पहले चर्चा में क्यों ये कुर्सी, जिस पर लिखा है इंडिया का नाम

वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल बुधवार से 5 देशों की यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। सबसे पहले वह अफ्रीकी देश घाना के दौरे पर जाएंगे। इसके बाद वह त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना और ब्राजील होते हुए नामीबिया का दौरा करेंगे। इस दौरे से पहले एक कुर्सी भी चर्चा में आ गई है। खास बात यह है कि विदेशी सरजमीं के संसद में रखी इस कुर्सी पर भारत और भारत के लोगों का जिक्र है। इस संसद में पीएम मोदी जाएंगे और वहां कुर्सी के समक्ष अपना भाषण भी देंगे।

पीएम मोदी 8 दिन के विदेश दौरे के दौरान 5 देशों की यात्रा करेंगे। यात्रा के दूसरे पड़ाव के तहत पीएम मोदी त्रिनिदाद एंड टोबैगो की यात्रा करेंगे। त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के

न्योते पर पीएम मोदी इस देश की यात्रा कर रहे हैं। वह पहली बार बतौर प्रधानमंत्री इस कैरेबियाई देश आ रहे हैं। साथ ही 1999 के बाद यानी 25 साल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा भी है।

यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय में सचिव (दक्षिण) नीना मल्होत्रा ने बताया कि त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद में स्पीकर की कुर्सी भारत ने गिफ्ट की थी जो दोनों देशों के बीच 'मजबूत लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं को दर्शाता है। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने पिछले साल अपनी यात्रा के दौरान इस कुर्सी का जिक्र किया था और सोशल मीडिया पर फोटो भी शेयर की थी।

पीएम मोदी की यात्रा से पहले यह कुर्सी फिर से चर्चा में आ गई है। यह कुर्सी भारत की ओर से 9 फरवरी 1968 को त्रिनिदाद एंड टोबैगो को गिफ्ट के रूप में दी गई थी। त्रिनिदाद एंड टोबैगो 31 अगस्त 1962 को ब्रिटिश शासन की चंगुल से आजाद हुआ था और इसे यादगार बनाने तथा अपनी दोस्ती को ऐतिहासिक बनाए रखने के लिए भारत ने इस देश की संसद को कुर्सी गिफ्ट की।

57 साल पहले भारत ने गिफ्ट की थी

इस वाकये को गुजरे अब 57 साल होने को आए हैं। लेकिन करीब 6 दशक पुरानी यह कुर्सी आज भी त्रिनिदाद एंड टोबैगो की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन में संसद में रखी हुई है और स्पीकर इसी पर बैठकर कार्यवाही का संचालन करते हैं। अभी वहां पर स्पीकर जगदेव सिंह हैं और इस समय वह इस कुर्सी का इस्तेमाल करते हैं।

भारत की ओर से गिफ्ट की गई यह कुर्सी भारतीय शैली का उत्कृष्ट नमूना है। लकड़ी से तैयार की गई यह कुर्सी भारत में कई सालों से तैयार की जा रही थी। हालांकि त्रिनिदाद एंड टोबैगो 1962 में आजाद हो गया जबकि यह कुर्सी आजादी के 6 साल बाद कैरेबियाई देश को गिफ्ट की गई।

भारतीय उच्चायुक्त ने गिफ्ट की थी कुर्सी

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की अगुवाई वाली भारत सरकार ने ब्रिटिश शासन से आजाद हुए त्रिनिदाद और टोबैगो को गिफ्ट के रूप में संसद के स्पीकर की कुर्सी देने का फैसला किया। त्रिनिदाद और टोबैगो की संसदीय कार्यवाही के अनुसार, भारत की ओर से कुर्सी सौंपने का यह कार्यक्रम 9 फरवरी, 1968 को हुआ था। इसे तत्कालीन भारतीय उच्चायुक्त मुनि लाल ने यह कुर्सी त्रिनिदाद और टोबैगो को गिफ्ट की थी। भारत की ओर से गिफ्ट देने की कार्यवाही 9 फरवरी 1968 की दोपहर 1.37 बजे शुरू हुई, तब वहां के स्पीकर अर्नोल्ड थॉमसोस थे और उन्होंने मौजूद सांसदों को बताया कि उच्चायुक्त मुनि लाल उन्हें भारत सरकार और लोगों की ओर से खास चीज गिफ्ट करेंगे। फिर स्थानीय संसद के रिकॉर्ड के अनुसार, यह गिफ्ट दोपहर करीब 1.45 बजे वहां की संसद को दिया गया। इस पर वहां मौजूद सदस्यों ने जमकर तालियां बजाईं। फिर 1.55 बजे कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया।

त्रिनिदाद-टोबैगो के साथ भारत के पुराने संबंध

बताया जाता है कि खास तरीके से तैयार की गई कुर्सी को गिफ्ट करने में 6 साल की देरी हुई थी। इस कुर्सी को एक विशिष्ट प्रकार की लकड़ी से तैयार किया गया और इस पर नक्काशी करने करने वाले 2 कारीगरों में से एक के बीमार हो जाने के कारण इसे तैयार करने में काफी वक्त लग गया और इस वजह से इसमें देरी हो गई। त्रिनिदाद और टोबैगो की तरह भारत ने सुरीनाम की संसद को भी कुर्सी गिफ्ट की थी।

भारत ने सुरीनाम को भी गिफ्ट की थी कुर्सी

भारत तथा त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच संबंध काफी पुराना है। भारत और इस कैरेबियाई देश के बीच संबंधों की शुरुआत 1800 के दशक के मध्य से तब हुई जब 30 मई, 1845 को 225 भारतीय गिरमिटिया मजदूरों को लेकर पहला जहाज त्रिनिदाद के तट पर पहुंचा। तब यह देश भी ब्रिटिश उपनिवेश का हिस्सा था। आगे भी यहां पर भारतीय मजदूरों को ले जाने का सिलसिला जारी रहा। आज की तारीख में यहां पर भारतीय मूल के लोगों की संख्या कुल आबादी का करीब 42 फीसदी है। भारतीय मूल के नागरिक इस देश में राजनीतिक रूप से बेहद ताकतवर माने जाते हैं।

फिर भड़के एलन मस्क, अब अमेरिकी सांसदों पर निकाली भड़ास, बोले– अगली बार इन्हें हराकर रहूंगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच टकराहट बनी हुई है. अब एलन मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप के स्वीपिंग बजट बिल का समर्थन करने वाले उन सांसदों को हटाने की कसम खाई है, जिसकी उन्होंने आलोचना की थी क्योंकि इस वजह से देश का घाटा 3.3 ट्रिलियन डॉलर बढ़ जाएगा।

एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर ऐलान करते हुए कहा, "कांग्रेस के हर सदस्य जिसने सरकारी खर्च को कम करने को लेकर अभियान चलाया और फिर इतिहास में सबसे बड़ी कर्ज वृद्धि के लिए तुरंत वोट भी किया, उन्हें शर्म से सिर झुकाना चाहिए! और अब इस धरती पर मेरा यही आखिरी काम है, तो वे अगले साल अपना प्राथमिक चुनाव हार जाएंगे।"

इसके कुछ घंटों बाद उन्होंने कहा कि अगर "इन्सेन स्पेंडिंग बिल पास हो जाता है, तो अगले दिन अमेरिका पार्टी का गठन किया जाएगा।" सोशल मीडिया पर सांसदों को दी गई इन धमकियों के साथ ही अरबपति मस्क ने खुद ही अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अपने संबंधों को फिर से खराब कर दिया है जिसे सही करने की कोशिश उन्होंने की थी। कथित तौर से डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट इफिसियेंसी या Doge से हटने के बाद से, मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप पर लगातार हमलावर हैं और वह उनकेके बजट बिल की तीखी आलोचना भी की है, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह खर्च बढ़ाकर Doge में उनके काम को कमजोर करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपने नाटकीय विवाद के बाद मस्क इस बिल के बारे में काफी समय तक अपेक्षाकृत शांत रहे थे, लेकिन इस पिछले वीकंड में वह फिर से उग्र हो गए और बहस में शामिल हो गए।

मस्क ने कही नई राजनीतिक पार्टी बनाने की बात

अब सोमवार को, मस्क ने कहा कि जिन सांसदों ने खर्च में कटौती करने का अभियान चलाया था, लेकिन इस बिल का समर्थन किया, उन्हें "शर्म से अपना सिर झुका लेना चाहिए! और अगर इस धरती पर यह मेरा आखिरी काम है, तो वे अगले साल अपना प्राइमरी हार जाएंगे।" अपने बागी तेवर के साथ टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने एक बार फिर एक नई राजनीतिक पार्टी का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि बिल के भारी खर्च से संकेत मिलता है कि "हम एक पार्टी वाले देश में रहते हैं – पोर्की पिग पार्टी (PORKY PIG PARTY)!"उन्होंने आगे लिखा, "अब एक नई राजनीतिक पार्टी के गठन का समय आ गया है, जो वास्तव में लोगों की परवाह करती है।" ट्रंप के चुनावी अभियान के दौरान राजनीतिक अभियान में 277 मिलियन डॉलर का योगदान देने के बाद, अरबपति मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति के बेहद खास बन गए थे और ट्रंप के प्रशासन का एक अहम हिस्सा बन गए।

पहले ट्रंप के साथ फिर बागी हो गए

Doge, जिसने अलग-अलग सरकारी कार्यक्रमों में अचानक और अराजक कटौती पर नजर रखी, ने यह दावा किया कि इसने 190 बिलियन डॉलर की बचत कराई, लेकिन पार्टनरशिप फॉर पब्लिक सर्विस (PSP) के विश्लेषण के अनुसार, इस कोशिश से टैक्सपेयर्स को 135 बिलियन डॉलर का खासा नुकसान भी हो सकता है।

जंग के बाद ईरान ने ईमेल्स को बनाया हथियार, ट्रंप की टीम को दे डाली बड़ी धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच हाल ही में खत्म हुई 12 दिन की जंग के बाद अब जंग का मैदान डिजिटल स्पेस बन गया है। इस बार ईरान से जुड़े हैकर्स ने अमेरिका और ट्रंप की टीम को सीधे निशाने पर ले लिया है। ईरानी समर्थित एक हैकर ग्रुप ने दावा किया है कि उनके पास ट्रंप से जुड़ें करीब 100 GB ईमेल्स हैं और वो इन्हें लीक या बेचने की तैयारी कर रहे हैं।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक Robert नाम से काम करने वाला ये हैकर ग्रुप 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले सामने आया था। उस वक्त इन्होंने ट्रंप से जुड़े कई अहम लोगों के ईमेल हैक किए थे और कुछ मीडिया संगठनों को लीक भी किए थे। अब जंग के बाद ये ग्रुप फिर से एक्टिव हो गया है।

रॉयटर्स की खबर के मुताबिक

हैकर्स के पास ट्रंप की टीम से जुड़े कुछ अहम लोगों के ईमेल्स का पूरा डेटा है। इनमें व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ सुज़ी वाइल्स, ट्रंप की वकील लिंडसे हॉलिगन, ट्रंप के सलाहकार रोजर स्टोन का नाम शामिल है। इसके अलावा स्टॉर्मी डेनियल्स (पोर्न स्टार जो ट्रंप के खिलाफ रही हैं) उनके भी डेटा इस हैकर्स ग्रुप के पास है। ग्रुप का कहना है कि वो इन ईमेल्स को बेचने का मन बना रहा है। हालांकि अभी उन्होंने साफ नहीं किया है कि इनमें क्या-क्या कंटेंट है।

ट्रंप को पहले भी पड़ा था झटका

2024 के चुनाव से पहले Robert ग्रुप ने कुछ ईमेल्स लीक किए थे, जिनमें ट्रंप और उनके वकीलों के बीच आर्थिक लेन-देन, आरएफके जूनियर के साथ कानूनी समझौते की जानकारी, स्टॉर्मी डेनियल्स से जुड़े सेटलमेंट की बातचीत, रिपब्लिकन नेताओं से जुड़ी चुनावी रणनीतियां शामिल थी। हालांकि इन लीक से ट्रंप की जीत पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा। फिलहाल व्हाइट हाउस, एफबीआई और संबंधित लोगों की ओर से कोई विस्तृत बयान नहीं आया है।

डिजिटल जंग का नया चेहरा

रक्षा मामलों के जानकारों का मानना है कि ईरान अब एसिमेट्रिक वॉरफेयर यानी ऐसी रणनीति अपना रहा है जिससे अमेरिका और इजराइल को सीधा युद्ध छेड़े बिना भी नुकसान पहुंचाया जा सके। साइबर अटैक, डेटा लीक और ऑनलाइन ऑपरेशन अब ईरान की नई जंग बन चुके हैं। और ट्रंप की टीम अब इस खतरे के बिल्कुल निशाने पर है।

फार्मा प्लांट विस्फोट में अब तक 35 की मौत, सीएम रेड्डी ने घटनास्थल का दौरा किया

हैदराबाद, एजेंसी। पशम्यलारम में सिगाची इंडस्ट्रीज के फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है। जिला पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज ने मंगलवार सुबह पीटीआई को बताया कि मलबा हटाते वक्त कई शव बरामद हुए। मलबे से अब तक 31 शव निकाले जा चुके हैं, जबकि तीन की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस बीच मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने कुछ कैबिनेट साथियों के साथ दुर्घटनास्थल पर पहुंचे।

मियापुर में प्रणाम अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी से संपर्क करने पर पता चला कि सोमवार को उनके यहां जलने और सिर में चोट लगने के कारण 21 मरीज आए थे। हालांकि, दो को मृत घोषित कर दिया गया और एक की आज सुबह मौत हो गई। पटांचेरू में ध्रुव अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार को उनके यहां 11 मरीज आए थे, जिनमें से दो को सुपरस्पेशलिटी अस्पताल रेफर किया गया। अधिकारी ने कहा, 'नौ मरीजों में से पांच वेंटिलेटर पर हैं। हमारे पास सात मरीज हैं, जो 40-80 प्रतिशत तक जले हुए हैं और दो 10 प्रतिशत जले हुए हैं।'

पहचान के लिए शवों की डीएनए प्रोफाइलिंग की जरूरत

राजस्व विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, अभी तक नौ शवों की पहचान ही हो पाई है, जबकि बाकी शवों की डीएनए प्रोफाइलिंग की जरूरत है। मृतकों में से अधिकांश ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों के थे।

केमिकल रिएक्शन एक बड़ी वजह

फार्मा कंपनी में सोमवार को हुई घातक दुर्घटना के पीछे केमिकल रिएक्शन एक बड़ी वजह हो सकती है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक फार्मास्युटिकल कंपनी है, जो सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), इंटरमीडिएट्स, एक्सिपिएंट्स, विटामिन-मिनरल ब्लेंड्स, संचालन और प्रबंधन (ओएंडएम) सेवाओं के लिए जानी जाती है।

ठाकरे बंधु साथ मनाएंगे विजय दिवस, नारायण राणे ने कहा- क्या राज को याद नहीं उद्धव का किया अपमान?

मुंबई, एजेंसी। हिंदी भाषा विवाद पर भले राज्य सरकार ने पूर्व के दोनों आदेश रद्द कर दिए हैं, लेकिन ठाकरे बंधु इस मुद्दे को हाथ से जाने देना नहीं चाहते। राज्य सरकार ने साफ कर दिया है कि एक नई समिति बनाई जाएगी जो हिंदी भाषा को प्राथमिक स्कूलों में कक्षा पहली से पांचवी तक तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना है या नहीं इसपर निर्णय लेगी।

राज्य सरकार के इस फैसले को दोनों ठाकरे भाई अपनी लड़ाई की जीत बता रहे हैं। दोनों का कहना है कि महाराष्ट्र का मराठी मानुष साथ आया ये देख सरकार डर गई। ये मराठी मानुष की जीत है। इसका विजय दिवस जुलूस मनाया जाएगा।

अंदरूनी सूत्रों से जानकारी मिली है कि 5 जुलाई को दोनों ठाकरे भाई एक साथ एक मंच पर कई वर्षों के बाद आएंगे। पहले इस विजय दिवस के लिए शिवाजी पार्क और गिरगांव चौपाटी पर विचार चल रहा था, लेकिन आपसी सहमति से वर्ली डोम संभागृह को फाइनल किए जाने की खबर है। वहीं, दोनों ठाकरे बंधुओं के नेताओ की गुप्त बैठकें तेज हो गई है। रणनीति पर मंथन हो रहा है।

5 जुलाई को होने वाले इस विजय दिवस को लेकर ठाकरे गुट और मनसे के वरिष्ठ नेताओं के बीच लगातार बैठकें हो रही हैं। जानकारी के अनुसार, शिवसेना की ओर से संजय राऊत, अनिल देसाई, अनिल परब और मनसे की ओर से बाला नांदगावकर और अभिजीत पानसे के बीच हाल ही में करीब 40 मिनट तक अहम बैठक हुई।

मराठी अस्मिता का होगा उत्सव

इस बैठक में विजयी मेलावा की संपूर्ण रूपरेखा, आयोजन स्थल, भीड़ प्रबंधन और भाषणों की रणनीति पर चर्चा हुई। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि यह केवल मराठी अस्मिता और सरकार के निर्णय वापसी का उत्सव होगा — इसमें कोई राजनीतिक झंडा या एजेंडा नहीं होगा। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, वरली डोम को आयोजन स्थल के रूप में चुना गया है। दोनों दलों में इसे लेकर सहमति बन चुकी है। आयोजकों का कहना है कि यह पूरी तरह से मराठी भाषा और संस्कृति की विजय के रूप में मनाया जाएगा।

बीजेपी ने ठाकरे-राज पर साधा निशाना

बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, उद्धव ठाकरे आज राज ठाकरे को भाईचारे के नाते वापस आने की अपील कर रहे हैं। लेकिन मुझे याद है, यही उद्धव ठाकरे थे जिन्होंने राज ठाकरे को अपमानित किया, तंग किया और पार्टी से बाहर जाने के लिए मजबूर किया। क्या उन्हें यह सब याद नहीं है? अब वे क्यों इतनी मिन्नतें कर रहे हैं?

राज ठाकरे, नारायण राणे, गणेश नाईक और एकनाथ शिंदे जैसे नेताओं ने शिवसेना को खड़ा करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया, लेकिन इन्हीं लोगों को उद्धव ने बाहर का रास्ता दिखाया। जिस शिवसेना को माननीय बालासाहेब ठाकरे ने सत्ता तक पहुंचाया, उसी सत्ता को उद्धव ठाकरे ने गंवा दिया। शिवसेना की इस गिरावट के लिए पूरी तरह से उद्धव ठाकरे जिम्मेदार हैं। उन्होंने आगे कहा, मराठी जनता और हिंदू समाज ने इन्हें घर बिठा दिया है। जो चीज एक बार हाथ से निकल जाती है, वो फिर से वापस नहीं आती जो बूंद से गई, वो हौद से नहीं आती! उद्धव ठाकरे में न तो वह हिम्मत है और न ही वह क्षमता कि वो फिर से सब कुछ हासिल कर सकें।

निकास द्वार से वीआईपी एंट्री, आमजन के लिए सिर्फ एक गेट ; रथयात्रा भगदड़ पर बड़ा खुलासा

पुरी। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़ को लेकर कई खुलासे हो रहे हैं। उत्सव के दौरान आम श्रद्धालुओं के प्रवेश और बाहर निकलने के लिए एक ही गेट खुला था। जबकि एग्जिट गेट को बंद कर दिया गया था और इसी से वीआईपी एंट्री कराई जा रही थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आम भक्तों के प्रवेश और निकास के लिए कोई अलग रास्ता नहीं था। एक ही गेट से आवाजाही हो रही थी। हालात काबू से बाहर हुए तो पुलिस स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, घटनास्थल पर कोई पुलिसकर्मी नजर नहीं आया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात से ही मंदिर के पास अव्यवस्था हावी थी। श्रद्धालु जिस पॉलीथिन पर बैठे थे, बारिश में उस पर फिसलन हो गई, जिससे लोग गिरते चले गए। इसी दौरान वहां घुसे पूजा सामग्री से लदे दो ट्रकों से कई भक्त टकराकर गिर पड़े। घटना स्थल पर मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि एंबुलेंस मौके से एक किमी दूर खड़ी थी। चीख पुकार के बीच घायलों को लोग हाथों में उठाकर ले जाने को मजबूर थे। पुरी में रविवार तड़के जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ मच गई। इसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हुई, जबकि 50 से ज्यादा घायल हो गए। जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने यह हादसा हुआ।

हादसे में जान गंवाने वाली महिला के पति ने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही से उनकी पत्नी की जान गई। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी पानी मांगती रही, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था। ओडिशा के पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ में तीन लोगों की मौत के एक दिन बाद कांग्रेस ने सोमवार को ओडिशा सरकार पर निशाना साधा।

सारा अली खान की 'वैम्पायर' के साथ बनी जोड़ी, 'भूल भुलैया 2' वालों ने 2026 के लिए खेला बड़ा दांव!

सैफ अली खान की बेटी सारा का पूरा फोकस इस वक्त 'मेट्रो इन दिनों' पर है। उनकी यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म में एक लंबी चौड़ी स्टार कास्ट है, जो फिलहाल प्रमोशंस में बिजी हैं। वहीं, सारा अली खान के खाते में और भी कई बड़ी फिल्में हैं। जिस फिल्म में उनकी एंट्री हुई है, वो एक कॉमिक एंटरटेनर है। पहले ही बता दिया गया था कि फिल्म इस साल अगस्त में फ्लोर पर आ जाएगी। पर कौन है वो एक्टर, जो इस साल 'वैम्पायर' बनकर एंट्री लेगा और सारा के साथ उसकी जोड़ी बना दी है।

हाल ही में पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी। इससे पता लगा कि सारा अली खान को फ्रंट-फुटेड कॉमिक कैपर के लिए साइन किया गया है। जिसमें वो बतौर फीमेल लीड नजर आएंगी। इस फिल्म में सारा अली खान के अपोजिट एक टॉप एक्टर होगा। ऐसे में एक्ट्रेस ने जैसे ही फिल्म की स्क्रिप्ट सुनी, तो तुरंत फिल्म के लिए हां कह दिया।

कौन है 'वैम्पायर', जो सारा संग दिखेगा?

दरअसल इस कॉमिक कैपर को Mudassar Aziz डायरेक्ट कर रहे हैं। जो पहले ही 'हैप्पी भाग जाएगी', 'पति पत्नी और वो' समेत 'खेल खेल में' के लिए जाने जाते हैं। सारा अली खान और आयुष्मान खुराना को साथ देखने के लिए फैन्स काफी एक्साइटेड हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह बीते दौर की एक स्पेशल कॉमेडी है, जिसमें कई एक्टर्स होंगे। कहानी कुछ ऐसी है कि लीड कैरेक्टर कॉमेडी की सिचुएशन में फंस जाता है। वहीं सारा के अलावा, फिल्म में दो और एक्ट्रेस भी हैं।

इस फिल्म में कई सीनियर एक्टर्स भी दिखाई देने वाले हैं। फिलहाल फिल्म का टाइटल फाइनल नहीं किया गया है। पर कॉमिक फिल्म के लिए कास्टिंग चल रही है। इस फिल्म को Bhushan Kumar और Juno Chopra प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'भूल भुलैया 2' और पार्ट 3 के लिए भूषण कुमार को काफी तारीफें मिली थी। इसी साल अगस्त में पिक्चर की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

मेकर्स का प्लान है कि नवंबर 2025 तक फिल्म का काम कंप्लीट कर दिया जाए। हालांकि, इस कॉमेडी फिल्म के अलावा आयुष्मान और सारा एक और फिल्म में दिखेंगे, जो धर्मा की स्पाई कॉमेडी है। फिलहाल फिल्म प्रोडक्शन स्टेज में है। फिल्म को साल 2026 के फर्स्ट क्वार्टर में रिलीज करने की प्लानिंग है। हालांकि, इस साल आयुष्मान खुराना एक और फिल्म से धूम मचाएंगे, वो थामा में वैम्पायर बन रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मैडॉक की हॉरर कॉमेडी फिल्म के लिए वो काफी एक्साइटेड हैं।

'बालिका वधु' से घर-घर बनाई पहचान, बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में अविका ने किया बेहतरीन काम

टीवी सीरियल से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली अविका गौर ने साउथ की फिल्मों में भी अच्छी अदाकारी की है। उनके जन्मदिन पर जानते हैं उनके बारे में अहम बातें।

अविका गौर टीवी का जाना माना चेहरा हैं। आज वह अपना 28वां जन्मदिन मना रही हैं। बालिका वधु में आनंदी के किरदार से उन्होंने घर-घर पहचान बनाई। बॉलीवुड में वह शाहिद कपूर के साथ नजर आ चुकी हैं। हिंदी के अलावा उन्होंने साउथ की फिल्मों में अपना लोहा मनवाया है। आज उनके जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़ी कुछ खास बातें।

टीवी सीरियल से घर-घर में बनाई पहचान

30 जून 1997 को अविका गौर महाराष्ट्र के मुंबई शहर में एक गुजराती परिवार में जन्मी। अविका ने यहीं से अपनी पढ़ाई पूरी की। उन्होंने सबसे पहले साल 2007 में टीवी सीरियल 'श्श्श...कोई है' से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने 2008 से लेकर 2010 तक प्रसारित हुए टीवी सीरियल 'बालिका वधू' में आनंदी का किरदार निभाया। इस टीवी सीरियल से वह हर घर में मशहूर हुईं। साल 2011 में अविका ने टीवी सीरियल 'ससुराल सिमर का' में बेहतरीन अदाकारी की। इसके अलावा वह 2017 में 'लाडो- वीरपुर की मर्दानी' में नजर आ चुकी हैं।

रियलिटी शो से सुर्खियों में रहीं अविका

अविका गौर ने न सिर्फ टीवी सीरियल में काम किया है बल्कि उन्होंने रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वह साल 2012 में 'झलक दिखला जा 5' में नजर आईं थीं। साल 2019 में वह 'फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 9' में भी नजर आईं। इस रियलिटी शो में वह 12वें नंबर पर रहीं।

शाहिद कपूर के साथ फिल्म में नजर आईं अविका

अविका गौर का सफर महज टीवी शो या रियलिटी शो तक नहीं रहा। उन्होंने बॉलीवुड में भी काम किया है। वह साल 2009 में सबसे पहले बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस फिल्म 'मॉर्निंग वॉक', 2010 में शाहिद कपूर के साथ 'पाठशाला' और 2012 में 'तेज' में नजर आईं। साल 2023 में वह हिंदी फिल्म '1920; हॉरर ऑफ द हार्ट' और साल 2024 में 'ब्लडी इश्क' में नजर आईं।

साउथ की फिल्मों में

अविका ने की अदाकारी

अविका गौर ने अपनी छोटी सी उम्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने टीवी सीरियल में अपना लोहा मनवाया। इसके बाद बॉलीवुड का रुख किया। इसी के साथ साउथ की फिल्मों में भी काम किया। अविका गौर ने साल 2013 में तेलुगू फिल्म 'उय्याला जम्पाला', साल 2014 में 'लक्ष्मी रावे मा इंतिकी', 2015 में 'सिनेमा चुपिस्ता मावा' और 'थानू नेनू' में बेहतरीन आदाकारी की। अविका गौर ने 2013 से लेकर 2025 तक साउथ की तेलुगू और कन्नड़ भाषाओं की कई फिल्मों में काम किया।

अविका गौर की लव लाइफ

अविका गौर ने 13 जून 2025 को अपने लंबे समय से बॉयफ्रेंड रहे मिलिंद चंदवानी से सगाई कर ली है। मिलिंद का अपना एनजीओ है। दोनों की मुलाकात एक दोस्त के जरिए हैदराबाद में हुई थी। साल 2020 से दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था। पहले दोनों दोस्त थे। कुछ वक्त बाद मिलिंद ने उन्हें प्रपोज किया। दोनों एक दूसरे के साथ सोशल मीडिया पर अक्सर तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com